डाक पंजीयन क्र. L/RNP/म.प्र./मन्दसौर/122/2024-26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 98 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | सोमवार 20 जनवरी 2025 | मूल्य 2 रुपया

कागजों पर ही है मटन-पोल्ट्री फार्म के नियम

धरातल पर हो रहा है कानून का उल्लंघन, नींद में है जिम्मेदार

मंदसौर, 19 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। शहर सहित अंचल में संचालित हो रही मटन-मछली की दुकानों एवं पोल्ट्री फार्म पर लोगों की सेहत से खिलवाड़ किया जा रहा है। नियमों को ताक पर रखकर मनमाने ढंग से मीट दुकानों और पोल्ट्री फार्म का संचालन हो रहा है।

जानकारी के अनुसार शहर सहित अंचल के कस्बो व गांवों में बड़ी संख्या में मांस व मछली की दुकानें संचालित हो रही हैं। पोल्ट्री फर्म का भी संचालन हो रहा है, लेकिन यहां शासन की गाइड लाइन का पालन नहीं किया जाता है। कहीं भी दुकानें खोलकर पशुओं का मांस बेचा जा रहा है। लेकिन, बिना स्वास्थ्य परीक्षण के ही पशुओं का मांस विक्रय किया जा रहा है। ऐसे में बीमार पशु के मांस से खाने वालों के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव पड़ता है।

नहींकराते पशुओं का परीक्षण...

शहर में ही एक दर्जन से ज्यादा मटन दुकानों का संचालन किया जा रहा है। नियमानुसार मांस दुकान संचालकों को किसी भी पशु को काटने एवं उसका मीट विक्रय के पूर्व पशु चिकित्सकों से परीक्षण कराना होता है। लेकिन, शहर में ऐसी कोई भी प्रक्रिया नहीं होती है। पशु चिकित्सा विभाग के अनुसार कोई भी मांस विक्रेता पशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण कराने नहीं पहुंचते हैं। ऐसे में बीमार पशुओं के मांस को भी धड़ल्ले से बेचा जा रहा है।

मनमाने तरीके से चल रहे पोल्ट्री फार्म...

नियमानुसार पोल्ट्री फार्म के लिए प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड से अनुमति लेनी पड़ती है। इसके लिए रिहायशी क्षेत्र से पांच सौ मीटर दूरी होना चाहिए। पानी पीने के स्थान से 200 मीटर दूरी होना चाहिए। लेकिन, जिले में संचालित हो रहे कई पोल्ट्री फॉर्म नियमों पर खरे नहीं उतरते हैं। नगर में कई दुकानें रहवासी क्षेत्र में संचालित हो रही हैं।

दुकान संचालन के ये हैं नियम...

✻ बिक्री के लिए रखे गए पशु मांस उत्पादों को आवरण के पीछे रखा जाए। ✻ दुकान व वधशाला के उपर छत होनी चाहिए। ✻ दुकान में न्यूनतम 1.8 मीटर तक टाइल्स की व्यवस्था होनी चाहिए। ✻ स्टेनलेस स्टील वाश बेसिन की व्यवस्था होनी चाहिए। ✻ सेप्टिक टैंक व व्यवस्थित ड्रेनेज सिस्टम जरूरी है।

मंदसौर-सीतामऊ रोड पर कंस्ट्रेशन

✻ पैंतीस किलोमीटर में 20 से ज्यादा खतरनाक टर्न

✻ यातायात पुलिस ने निकाली कमियां, सुधारने का होगा प्रयास

मंदसौर, 19 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर-सीतामऊ रोड हादसों का सफर बन रहा है। कारण है कि इस रोड पर कई कमियां सामने आई है। इसके अलावा यहां 35 किलोमीटर में 20 खतरनाक मोड़ भी हादसों का कारण बन रहे हैं। एक दिन पहले एमपीआरडीसी की टीम के साथ यातायात पुलिस ने पूरे रोड का सर्वे किया। यहां कई तरह की कमियां दिखाई दी। जिसे सुधारने के लिए टोल कंपनी के कर्ताधर्ताओं को कहा गया है।

प्रस्तावित मंदसौर-सीतामऊ फोरलेन के निर्माण को लेकर सर्वे का दौर जारी है। लेकिन, अभी टू-लेन पर ही हो रहे हादसों ने अधिकारियों की चिंता को बढ़ा रखा है। फोरलेन बनाने से पहले हादसों में कमी लाने के लिए कर्व (खतरनाक मोड़) के सुधार को लेकर भी कवायद शुरू हो चुकी है। अधिकारियों के अनुसार वर्तमान में 35 किमी के दायरे में 20 से ज्यादा ऐसे कर्व हैं, जहां सामान्य से अधिक हादसे हो रहे हैं। इनके सुधार को लेकर इसी माह राजस्व विभाग के साथ सर्वे किया जाएगा। हालांकि लंबी दूरी होने के चलते फोरलेन से पहले यह सुधार कार्य विभाग के लिए चुनौती भी बना हुआ है। वर्तमान में मंदसौर-सीतामऊ रोड टू-लेन ही है। इस पर भानपुरा व राजस्थान क्षेत्र तक की आवाजाही होने के चलते यातायात का अधिक दबाव बना रहता है। इसके अलावा यातायात विभाग के आंकड़ो में फोरलेन से भी अधिक हादसे इस मार्ग पर होना सामने आ चुके हैं। वहीं 8 लेन शुरू होने के चलते इस मार्ग पर दोगुनी आवाजाही होने की संभावना बन रही है। जरूरत को देखते हुए मंदसौर-सीतामऊ फोरलेन बनाने को लेकर लंबे समय से मांग चली आ रही है। हाल ही में मेडिकल कॉलेज के लोकार्पण के दौरान जनप्रतिनिधियों ने इस फोरलेन का विस्तार सुवासरा व गरोठ क्षेत्र तक करने की मांग की थी। इस पर सीएम ने भी आश्वस्त किया था। हालांकि, एमपीआरडीसी का सर्वे मंदसौर से सीतामऊ व दलावदा तक ही हुआ है। अधिकारियों के अनुसार वर्तमान में डीपीआर के अंतर्गत प्रारंभिक सर्वे हुआ है। इसके बाद भोपाल की टीम द्वारा सर्वे किया जाएगा। बता दें कि सिंहस्थ 2028 के प्रोजेक्ट में भी इस कार्य को शामिल किया गया है।

सड़क किनारे कई लोगों ने कर रखा अतिक्रमण...

वर्तमान में इस रोड के किनारे कई लोगों ने अतिक्रमण कर रखा है। इसके चलते आवाजाही में परेशानी के अलावा अन्य भी कई दिक्कतें हैं। विभाग का कहना है कि फोरलेन के मान से वर्तमान में पर्याप्त जमीन है। लेकिन, राजस्व के साथ सर्वे से रिकॉर्ड व मौके की स्थिति का मिलान किया जाएगा। जहां मोड़ को लेकर सुधार कार्य करना है, वहां भी राजस्व के सर्वे से सहायता मिलेगी। साथ ही आरओडब्ल्यू (राइट ऑफ वे) को लेकर भी काम किए जाएंगे। यही नहीं इस दायरे में आने वाली बिजली व पानी की लाइन को शिफ्ट करने के संबंध में भी संबंधित विभागों को पत्र जारी कर दिए गए हैं। इसके बाद इनके बजट सहित अन्य कार्यों की प्रक्रिया होगी।

इनका कहना...

यातायात पुलिस ने एमपीआरडीसी की टीम के साथ निरीक्षण किया था। इसमें रास्ते में आने वाले पेड़ो की कटाई छटाई कराना, दो मार्गो को जोड़ने वाले रास्तों पर रंबर स्टीक लगाना, क्षतिग्रस्त पुलियाओ को सुधारना, संकेतक लगाना सहित अन्य चीजों में सुधार के लिए टोल कंपनी को कहा गया है। इसमें संबंधित थाना क्षेत्र के अधिकारी टोल कंपनी के साथ मिलकर कमियों में सुधार करेंगे।

मनोज सोलंकी, यातायात थाना प्रभारी मंदसौर

महंगा हुआ घर बसाना..!

✻ विवाह समारोह के लिए खाने से लेकर बैंड तक के दाम बढ़े

✻ पिछले साल के मुकाबले सोना-चांदी भी महंगे

मंदसौर, 19 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। इन दिनों चारों तरफ विवाह समारोह की धूम है। सूर्य की उत्तरायण होने के पर्व मकर संक्रांति के साथ ही विवाह समारोह शुरू हुए और रोज शहनाइयों की गूंज सुनाई दे रही है। हर साल के मुकाबले इस बार की शादियां महंगी साबित हो रही हैं। चाहे सोना-चांदी लेना हो या फिर बैंडबाजे या फोटोग्राफी। इन सब पर महंगाई का असर दिखाई दे रहा है। सभी वस्तुओं के दाम बढने से शादियों में फेरे लेना करीब 20 फीसदी महंगा हो गया है। यही कारण है कि मध्यमवर्गीय परिवार गैरजरूरी चीजों को छोड़कर जरूरी रस्मों पर ध्यान दे रहे हैं।

सब्जी से लेकर मावे की महंगाई इतनी बढ़ गई है कि विवाह समारोह के मीनू को छोटा करना पड़ रहा है। पिछले कुछ समय से विवाह समारोह में भोजन के साथ ही चाट, साउथ इंडियन के साथ ही अन्य सामानों के काउंटरों पर ज्यादा ध्यान दिया जाने लगा था। अब इसका खर्च 15 से 20 प्रतिशत तक बढ़ गया है। गरीब वर्ग की शादी में पहले जहां 200 लोगों का भोजन कम से कम 100 से 125 रुपए थाली के हिसाब से हो जाता था, वहीं अब 130 से 160 रुपए प्लेट तक पहुंच गई है। यही कारण है कि अब मीनू की लिस्ट छोटे होने लगी है। वहीं मेहमानों की संख्या पर ध्यान दिया जा रहा है। इसके अलावा शाम के समय होने वाले रिसेप्शन भी सुबह कन्वर्ट हो रहे हैं। रिसोर्ट संचालकों के अनुसार तिथि अनुसार सभी की बुकिंग फुल हो गई है। कुछ सारी सुविधाओं के साथ बुकिंग भी कर रहे हैं। जिसमें खाना, सजावट, फोटो, बैंडबाजे, घोड़ा, पालकी, रुकने के लिए कक्ष आदि जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करा रहे हैं। नए साल में वैवाहिक आयोजन की गूंज ज्यादा है। क्योंकि मुहूर्त अधिक है।

सोने-चांदी के दाम बढ़े...

पिछले साल 10 ग्राम सोने का भाव करीब 60 हजार के आसपास था। अभी सोने की कीमत 80 हजार तक पहुंच गई है। पिछले साल के मुकाबले इस साल 20 हजार रुपए की बढ़ोत्तरी हुई है। चांदी 72 हजार रुपए किलो थी जो अब 90 हजार रुपए तक पहुंच गई है। पिछलेसाल के मुकाबले रेट 17 हजार रुपए बढ़ गए हैं।

जनवरी में रिसोर्ट हो या अन्य किसी वस्तुओं की बुकिंग, सभी के रेट बढ़े हैं। इसका असर शादी कराने वाले परिवारों पर पड़ रहा है। लोगों ने बताया कि हलवाई के रेट 20 फीसदी बढ़े हैं। दूल्हे के लिए घोड़े लेना हो या बैंडबाजों की बुकिंग हो, सभी के रेट 500 से 1000 रुपए बढ़े हैं। मोहसिन खां ने बताया पिछले साल डीजे 8 से 10 हजार रुपए में बुक होता था। अब 12 से 15 हजार रुपए खर्च हो रहे हैं।

दूल्हे राजा का लुक भी बदला...

शेरवानी, सूट, मोजड़ी, जूते, पगड़ी की खरीदारी जारी

शादी की शहनाई की गूंज से शुरू हो गई है। घरों में लोकगीत सुनाई देने लगे हैं। मंगलगीत गाए जा रहे हैं। लोग शादी को लेकर बेहद उत्साहित हैं। कपड़े की खरीदारी में दूल्हा से लेकर परिवार के सदस्य और रिश्तेदार भी बाजार में दौड़ लगा रहे हैं। दूल्हे के लिए शेरवानी, सूट, मोजड़ी, जूते, पगड़ी की खरीदारी में पूरा परिवार लगा है। हर किसी को कुछ खास की तलाश है। वो भी कुछ ऐसा जो शादी में उनका लुक न केवल अट्रैक्टिव बनाए बल्कि यादगार भी। वहीं दूल्हा भी चाहता है कि उसका राजसी

अंदाज देखकर सबकी आंखें उसी पर ठहर जाए।

पगड़ी भी हो गई स्टाईलिस्ट...

शादियों में अब दूल्हे के साथ बारातियों में भी पगड़ी पहनने का ट्रेंड शुरु हो गया है। दूल्हा जहां मेहरून, गोल्डन, मोती वर्क वाला साफा पहनते हैं तो बाराती पिंक और चुंदड़ की पगड़ी पहनना पसंद कर रहे हैं। बाजार में डिफरेंट कलर और डिजाइन के पगड़ी सेट मिल रहे हैं। जिन्हें बाजार की पसंद और स्टाइल के अनुरूप ही डिजाइन किया जा रहा है।

लखनवी मोजड़िया...

बाजार में दूल्हे के मोजड़ी कलेक्शन भी देखे जा सकते हैं। लखनवी स्टाइल की मोजड़ी में काफी वैराइटी और डिजाइन देखने को मिल रहे हैं। दूल्हे ड्रेस की मैचिंग के अनुसार मोजड़ी पहनना पसंद कर रहे हैं। गोल्डन, मेहरून, रेड कलर की मोजड़ी बेहद पसंद की जा रही है।

प्रयागराज महाकुंभ मेला क्षेत्र में लगी आग

सिलेण्डर फटने से हुआ हादसा, कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पाया काबू, कोई हताहत नहीं, सीएम योगी ने मौके का लिया जायजा

प्रयागराज, 19 जनवरी। प्रयागराज में महाकुंभ मेला क्षेत्र में शास्त्री ब्रिज के नीचे पंडालों में लगी भीषण आग पर कड़ी मशक्कत के बाद काबू पा लिया गया है। यह आग मेले क्षेत्र के सेक्टर 19 में सिलेंडर फटने से लग गई थी। जिसमें 18 टेंट आग में जल गए। आग पर काबू पाने के लिए दमकल की 15-16 गाड़ियां मौके पर भेजी गई। आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। आग की घटना के बाद अस्पताल में तैयारी की गई है। गनीमत है कि अभी तक किसी के भी हताहत होने की सूचना नहीं है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ घटनास्थल का जायजा लेने के लिए मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रभावित क्षेत्र का मुआयना करके अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सीएम योगी से बात की है और घटना को लेकर जानकारी ली।

महाकुंभ मेला क्षेत्र के सेक्टर-19 में पांटून पुल 12 स्थित अखिल भारतीय धर्म संघ श्रीकरपात्री धाम वाराणसी के शिविर में आग लगी थी। इसके बाद अन्य शिविर भी आग की चपेट में आ गए, और उनमें रखे एलपीजी सिलेंडर भी धमाके के साथ फटने लगे थे। रुक-रुककर सिलेंडर फट रहे थे। इस हादसे में 19 में सिलेंडर फटे। इसके बाद एहतियातन केंद्रीय अस्पताल महाकुंभ में 10 चिकित्सकों को इमरजेंसी में बुलाया गया। एसआरएन अस्पताल को भी अलर्ट मोड पर किया गया है। मुख्यमंत्री योगी ने आग

लगने की घटना का संज्ञान लिया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद हैं। मुख्यमंत्री ने घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं।

धुआं करीब 300 फीट उपर तक उठ रहा था

आग लगने के दो मिनट बाद फायरब्रिगेड की गाड़ियां पहुंचीं। दस मिनट मशक्कत के बाद भी आग नहीं बुझ सकी, इसके बाद अन्य टीमों ने भी आग बुझाने के लिए मोर्चा संभाला। आग बढ़ते-बढ़ते करीब 100 वर्ग मीटर से ज्यादा फैल गई। आग की लपटें 30 फीट उंचाई तक उठ रही थीं। अफरा-तफरी के बीच अफसर भी मौके पर भागते नजर आए। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी महाकुंभ क्षेत्र में ही हैं।

25 टेंट जले, ट्रेनों का संचालन भी रोका गया

महाकुंभ में लगी भीषण आग में अभी 25 से ज्यादा टेंट जलने की बात कही जा रही है। आग मुख्य रोड पर लोहे के ब्रिज के पास लगी है। हवा की गति सामान्य से तीन गुना तेज होने के चलते अन्य टेंट भी आग की चपेट में आ सकते थे। दमकल की एक दर्जन से ज्यादा गाड़ियां आग बुझाने में लगी रहीं। वहीं जिस जगह आग लगी है उसके पास रेलवे पुल होने से ट्रेनों का संचालन भी रोक दिया गया है।

शहर पुलिस ने वाहन चोरों को दबोचा, चार बाइक बरामद

मंदसौर, 19 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। शहर कोतवाली पुलिस ने दो बदमाशों को दबोच कर उनके कब्जे से 04 बाइक बरामद की है।

शहर कोतवाली पुलिस ने बताया कि शहर कोतवाली पुलिस को मुखबीर सूचना प्राप्त हुई की घटनास्थल ईट भट्टे के सामने ग्राम अलावदाखेडी मदंसौर से कोई बदमाश अवैध शराब का परिवहन कर रहा है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस द्वारा आरोपी चिराग साल्वी पिता राजमल साल्वी निवासी पाटील कालोनी गीता भवन रोड मंदसौर को पकड़ने में सफलता प्राप्त की। पकड़े गए आरोपी से पुलिस ने अवैध शराब भी जप्त की और थाना सिटी कोतवाली क्षेत्र में चोरी हुई बाइक टीवीएस कंपनी की कीमती 25 हजार रुपये एवं एक अन्य बाइक जो वायडी नगर क्षेत्र से चोरी हुई थी, वह भी जप्त की गई है।

शहर पुलिस ने बताया कि मुखबीर की सूचना पर घटना स्थल प्रतापगढ पुलिया क्षेत्र से भी वाहन चोर को पुलिस ने गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति चोरी का वाहन लेकर मंदसौर तरफ आ रहा है। पुलिस ने उसे रोका और पूछताछ की तो वह वाहन संबंधी कोई दस्तावेज नही बता पाया। पुलिस ने चोरी के संदेह मे उक्त वाहन जप्त कर विधि विरुद्ध बालक से पूछताछ करने पर उसके द्वारा 01 वर्ष पहले जिला इंदौर तरफ से अन्य वाहन होंडा स्कूटी भी चुराना स्वीकार किया, जो विधि विरुद्ध बालक के बताये स्थान से अन्य वाहन स्कूटी को भी जप्त किया गया।

कोहरा-अंचल में सर्दी के चलते प्रातः घना कोहरा छाया हुआ रहता है। आज सर्दी से थोड़ी राहत रही।

कांग्रेस पदाधिकारी की आलाकमान से उपेक्षा की शिकायत जायज है या नाजायज..!

मंदसौर/उज्जैन, 19 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। जिला कांग्रेस के प्रभारी महामंत्री एवं प्रवक्ता सुरेश भाटी ने प्रदेश संगठन को पत्र लिखकर सुझाव सहित शिकायती मांग लिख भेजी है। लिखा है कि रायपुर अधिवेशन का हवाला देते हुए दलित, अल्पसंख्यक, महिला तथा पिछड़ा वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित की जाए। भाटी ने अपने पत्र में प्रदेश संगठन को बताया कि दलित वर्ग और अल्पसंख्यक वर्ग विपरीत परिस्थितियों में कांग्रेस के साथ रहा है। कांग्रेस के लगातार सत्ता से बाहर रहने के बाद भी साथ दे रहे हैं। इसी के साथ पिछड़ा वर्ग और महिलाओं को भी संगठन में पर्याप्त भागीदारी अभी तक नहीं मिल पाई है। यह भी की जिले के 11 मुख्य ब्लॉकों में से एक भी दलित और अल्पसंख्यक वर्ग का मुख्य अध्यक्ष नहीं है। जबकि, 2006 के जिला कांग्रेस गठन में चार महिलाओं को ब्लॉक अध्यक्ष बनाया गया था। सुरेश भाटी के इस सुझाव पत्र के बाद स्वाभाविक था कि जिला कांग्रेस कार्यकारिणी और कार्यप्रणाली पर नजर डाली जाए।

जब इन्ही वर्ग को चिन्हित कर पदाधिकारी और कार्यकारीणी में देखा गया तो अल्पसंख्यक वर्ग के हनीफ शेख दशक से भी अधिक समय तक ब्लॉक अध्यक्ष रहने के साथ कांग्रेस शासन काल में नगरपालिका अध्यक्ष भी रहे। इनके पहले खलील शेख ब्लॉक अध्यक्ष रहे थे। इसी वर्ग की रफत पयामी दूसरी बार नगर पालिका परिषद में विपक्ष की नेता है। साथ ही पांच महिला पार्षद में भी चार अल्पसंख्यक वर्ग की हैं। मंदसौर ग्रामीण ब्लॉक अध्यक्ष पद पर भी

चन्द्रमोहन भगत

भी रफीक गुल्ला और युनुस मेव रह चुके हैं। इसके अलावा अल्पसंख्यकों के लिए अलग से संगठन में भागीदारी भी तय है। महिला वर्ग की बात करें तो कांग्रेस ने 40 में से 22 महिलाओं को प्रत्याशी बनाया था। वर्तमान नगर परिषद में भी पांच महिला पार्षद है। इस अनुपात में महिलाओं को प्रतिनिधित्व देने में कांग्रेस संगठन ने कोई कमी नहीं रखी है।

दलित वर्ग की भागीदारी पर नजर डालें तो मल्हारगढ़ क्षेत्र से परशुराम सिसोदिया को दो बार कांग्रेस ने विधायक प्रत्याशी बनाया है। वर्तमान में प्रदेश कांग्रेस सचिव भी हैं। इसके पहले दो बार श्यामलाल जोकचंद को भी उम्मीदवारी दी थी। इनका कहना है कि दलित वर्ग को कांग्रेस ही ससम्मान संगठन में भागीदार बना रही है। नगर पालिका चुनाव में भी पार्षद प्रत्याशी बनाए गए थे। हमारे वर्ग में कांग्रेस संगठन से किसी प्रकार की नाराजगी नहीं है। सुरेश भाटी के सुझाव पत्र पर सिसोदिया ने अचरज प्रकट किया है। पिछड़ा वर्ग के प्रतिनिधियों में एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष ऋतिक पटेल का कहना है कि पिछड़ा वर्ग को कांग्रेस संगठन में भरपूर सम्मान मिल रहा है। पिपलिया मंडी के कार्यकर्ता सम्मेलन में चुनाव प्रभारी जयवर्धन सिंह ने मेरे जैसे छोटे कार्यकर्ता को मंच पर बुलाकर सम्मान दिया था। हमें ऐसा कहीं नहीं लग रहा है कि कांग्रेस में पिछड़ों को कम भागीदारी मिल रही है।

सुरेश भाटी के आलाकमान को भेजे सुझाव पत्र ने संगठन पर प्रश्न चिन्ह तो लगा ही दिया है। जबकि, चारों वर्गों के नेताओं ने भाटी के इस कथन से नाइत्तफाकी सार्वजनिक की है। इसलिए इसे राजनीतिक दृश्य के पैमाने से देखें तो सुरेश भाटी अगर अपने ही संगठन पर सवाल उठा रहे हैं तो निश्चित ही उनकी व्यक्तिगत या सार्वजनिक निजी नाराजगी होगी। उनका कहना था कि मुझे कांग्रेस के प्रदेश मुख्यालय मीडिया कार्यालय से 2016 से प्रवक्ता बनाया हुआ है, जिला संगठन का प्रवक्ता अलग है। इसी के साथ उन्होंने खुद को प्रभारी महामंत्री भी बताते हुए कहा है कि जिला अध्यक्ष विपिन जैन ने इतनों को पद दे दिए हैं, खुद भूल जाते हैं।

विचार-मंथन

युद्ध विराम से दुनिया में शांति की उम्मीद

इजराइल और हमास के बीच युद्ध विराम पर सहमति की घोषणा निश्चित रूप से एक बड़ी उपलब्धि है, लेकिन जब तक यह वास्तव में जमीन पर नहीं उतरेगी, तब तक फिर से जंग की आशंका बनी रहेगी। दरअसल, पिछले वर्ष मई के बाद कई बार तात्कालिक या अस्थायी युद्धविराम को लेकर पहलकदमी हुई, लेकिन फिर कुछ दिनों बाद हमलों में लोगों के मारे जाने की खबरें आती रहीं। जाहिर है, यह कुछ दिनों के लिए भी युद्ध को विराम देने को लेकर प्रतिबद्धता में कमी और शांति के प्रति उपेक्षा का भाव ही रहा कि अब तक इजराइली हमलों में फिलिस्तीनी लोगों के मारे जाने की खबरें आ रही हैं। मगर अब युद्ध विराम के सवाल पर इजराइल और हमास के बीच ताजा सहमति की खबर से इस बार शांति की राह तैयार होने की उम्मीद पैदा हुई है। फिलहाल समझौते का जो स्वरूप सामने आया है, उसके मुताबिक हमास की ओर से चरणबद्ध तरीके से इजराइली बंधकों और इजराइल में सैकड़ों फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही, गाजा में विस्थापित लोगों को वापस लौटने की भी अनुमति दी जाएगी। इसके अलावा, युद्ध से प्रभावित इलाकों में मानवीय सहायता पहुंचाने की व्यवस्था होगी। गौरतलब है कि मौजूदा युद्ध की शुरुआत साल अक्तूबर, 2023 को इजराइल पर हमास के उस हमले से हुई थी, जिसमें करीब बारह सौ लोग मारे गए थे। उसके बाद हमास को जवाब देने के नाम पर इजराइल के गाजा पर हमले को एक स्वाभाविक प्रतिक्रिया माना गया था। मगर तब से लेकर पंद्रह महीने बीत चुके हैं और गाजा पर इजराइल का हमला लगातार जारी है। एक आंकड़े के मुताबिक, इजराइल के हमले में अब तक करीब पचास हजार लोग मारे गए हैं। गाजा में बीस लाख से ज्यादा लोग विस्थापित हो चुके हैं। इजराइल का कहना है कि वह हमास के आतंक का खात्मा कर देगा। लेकिन यह पड़ताल का मसला है कि इजराइल के हमले में हमास के कितने सदस्य मारे गए और कितने आम लोगों को जान गंवानी पड़ी। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि इस युद्ध में मारे गए आम लोगों में बड़ी संख्या बच्चों और महिलाओं की है, जिनका युद्ध से कोई वास्ता नहीं था। गाजा पर हमले के क्रम में अस्पताल, स्कूल और हमले से बचने के लिए पनाह लेने वाली जगहों को भी नहीं बख्शा गया। युद्ध को लेकर अंतरराष्ट्रीय नियम-कायदों का भी कोई खयाल रखना जरूरी नहीं समझा गया। इस सबके लिए इजराइल पर जनसंहार और वहां के प्रधानमंत्री पर युद्ध अपराध का आरोप भी लगाया गया। इजराइल और हमास के बीच युद्ध को खत्म कराने के लिए संयुक्त राष्ट्र से लेकर कई स्तर पर कोशिशें जारी थीं, मगर उसका कोई सकारात्मक नतीजा नहीं निकल पा रहा था। अब इतने लंबे समय के बाद अगर युद्धविराम पर दोनों पक्षों के बीच सहमति बन सकी है तो इस बात की कोशिश होनी चाहिए कि अब उसमें कोई अड़चन न खड़ी की जाए, उस पर अमल भी सुनिश्चित किया जाए और शांति निरंतरता में कायम हो। ऐसी स्थिति फिर नहीं पैदा होनी चाहिए कि एक ओर युद्ध विराम पर सहमति की घोषणा हो और दूसरी ओर हमले और उसमें लोगों का मारा जाना जारी रहे। यह एक स्थापित हकीकत है कि किसी भी समस्या या विवाद का हल अंतहीन युद्ध नहीं हो सकता। संभव है कि इस युद्धविराम से इजराइल और फिलिस्तीन के बीच लंबे समय से चली आ रही कड़वाहट पूरी तरह खत्म न हो, मगर कितने भी जटिल मसले का हल आखिर संवाद के रास्ते से ही गुजरता है।

क्या आप लगा पाएगी दिल्ली में चुनावी चौका...

रमेश सर्राफ धमोरा

आगामी पांच फरवरी को दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए वोट डाले जाएंगे। चुनाव जीतने के लिए सभी राजनीतिक दल जोड़-तोड़ करने में जुट गए हैं। चुनाव में मुख्य मुकाबला भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), आम आदमी पार्टी (आप) व कांग्रेस पार्टी के बीच होना तय माना जा रहा है। पिछले दो विधानसभा चुनाव में मुख्य मुकाबला आप व भाजपा के बीच हुआ था। कांग्रेस का प्रदर्शन बहुत खराब रहा था। मगर इस बार कांग्रेस पार्टी पूरे दमखम के साथ चुनाव लड़ने जा रही है। पिछले लोकसभा चुनाव में जहां कांग्रेस पार्टी ने आम आदमी पार्टी से गठबंधन कर चुनाव लड़ा था। वहीं विधानसभा चुनाव कांग्रेस अकेले ही लड़ेगी। कांग्रेस के अकेले चुनाव लड़ने व पिछले लोकसभा चुनाव में अच्छा प्रदर्शन करने के कारण दिल्ली विधानसभा चुनाव में मुकाबला त्रिकोणात्मक होने की संभावना बनने लगी है। दिल्ली में तीन बार सरकार बनाकर आप ने मजबूत पकड़ बनायी है। वहीं लोकसभा चुनाव में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद भाजपा आप के सामने टिक नहीं पा रही है। आप के अरविंद केजरीवाल ने कांग्रेस पार्टी के समर्थन से 28 दिसंबर 2013 को पहली बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। मगर कांग्रेस द्वारा समर्थन वापस लेने के चलते 49 दिन में ही सरकार गिर गई थी। फरवरी 2015 में हुए विधानसभा चुनाव में आप ने 67 सीटें जीतकर एक नया इतिहास रच दिया था। आप को 54.34 प्रतिशत वोट मिले थे। अरविंद केजरीवाल ने 14 फरवरी 2015 को दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। उस चुनाव में भाजपा को मात्र तीन सीट तथा 32.19 प्रतिशत वोट मिले थे। कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिली तथा वोट भी घटकर 9.65 प्रतिशत रह गये थे। 2020 के विधानसभा चुनाव में आप ने 62 सीटे जीतकर 53.57 प्रतिशत वोट प्राप्त किए थे। 16 फरवरी 2020 को अरविंद केजरीवाल तीसरी बार दिल्ली के मुख्यमंत्री बने थे। 2020 के चुनाव में भाजपा की सीट तीन से बढ़कर आठ तक पहुंच गई थी तथा वोटो का प्रतिशत भी बढ़कर 38.51 प्रतिशत हो गया था। कांग्रेस को इस बार भी कुछ नही मिला था। कांग्रेस को 4.26 प्रतिशत वोट ही मिले थे। कांग्रेस के अधिकांश प्रत्याशियों की जमानत जप्त हो गई थी। 2 अक्टूबर 2012 को गांधी जयंती के दिन आम आदमी पार्टी का गठन किया गया था। पार्टी के गठन के ठीक एक साल एक महीने और दो दिन बाद 4 दिसंबर 2013 को दिल्ली विधानसभा चुनाव के वोट डाले गए थे। 8 दिसंबर 2013 को चुनाव के नतीजे आए तो आप को 28 सीटें तथा 29.49 प्रतिशत वोट मिले थे। पार्टी अध्यक्ष अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली की मुख्यमंत्री शीला दीक्षित को उनकी नई दिल्ली सीट पर करीब 26000 वोटो से हराया था। उस चुनाव में भाजपा को 31 सीट व 33.07 प्रतिशत वोट मिले थे। वहीं कांग्रेस को 8 सीट व 24.55 प्रतिशत वोट मिले थे। उस वक्त कांग्रेस ने भाजपा को सत्ता से दूर रखने के चक्कर में आप को समर्थन देकर अरविंद केजरीवाल को

पहली बार मुख्यमंत्री बनवाया था। कांग्रेस की यही भूल अब तक कांग्रेस को लगातार जीरो पर आउट कर रही है। उस वक्त यदि कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी को समर्थन नहीं दिया होता तो आगे विधानसभा चुनाव के नतीजे अलग हो सकते थे। मगर अपनी भूल का कांग्रेस आज तक खामियाजा उठा रही है। 1998 से 2008 तक लगातार तीन विधानसभा चुनाव जीत कर सरकार बनाने वाली कांग्रेस 2013 में मात्र 8 सीटों पर सिमट गई थी। कांग्रेस की एक भूल उस पर इतनी भारी पड़ गई कि वह आज तक संभल नहीं पा रही है। दिल्ली में लोकसभा चुनाव के करीब 8 महीने बाद विधानसभा चुनाव होते हैं। लोकसभा चुनाव में भाजपा 2014 से 2024 तक लगातार दिल्ली की सातों सीटों पर जीत दर्ज करवाती आ रही है। वहीं विधानसभा चुनाव में मतदाताओं के वोट डालने का ट्रेंड बदल जाता है। 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने सभी सात सीटों पर जीत दर्ज कर 46.63 प्रतिशत यानी 38 लाख 38 हजार 850 वोट प्राप्त किए तथा 60 विधानसभा सीटों पर आगे रही थी। आप को 33.08 प्रतिशत यानी 27 लाख 22 हजार 887 वोट मिले थे तथा 10 सीटों पर आगे रही थी। वहीं कांग्रेस को 15.22 प्रतिशत यानी 12 लाख 53 हजार 78 वोट मिले थे। कांग्रेस एक सीट पर भी आगे नहीं थी। वहीं 2015 के विधानसभा चुनाव में आप को 67 सीटों पर जीत मिली थी। इसी तरह 2019 में भाजपा ने 56.85 प्रतिशत यानी 49 लाख 8 हजार 541 वोट लेकर सभी सीट जीती थी। तथा 65 विधानसभा सीटों पर आगे रही थी। वहीं आप को 18.20 प्रतिशत यानी 15 लाख 71 हजार 687 वोट मिले थे और सीट एक भी नहीं जीती थी। आप किसी विधानसभा सीट पर आगे नहीं रही थी। वहीं कांग्रेस को 22.63 प्रतिशत यानी 19 लाख 53 हजार 900 वोट मिले थे। कांग्रेस को सीट एक भी नहीं मिली मगर पांच विधानसभा सीट पर आगे रही थी। 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने लगातार तीसरी बार सभी सातों सीटों को जीतकर 54.35 प्रतिशत यानी 48 लाख 44 हजार 180 वोट प्राप्त किए थे। वहीं 52 विधानसभा सीटों पर आगे रही थी। आप को एक भी सीट पर जीत नहीं मिली थी। पार्टी को 24.17 प्रतिशत यानी 21 लाख 54 हजार एक वोट मिला था। पार्टी 10 विधानसभा सीटों पर आगे रही थी। वहीं कांग्रेस का भी सुपड़ा साफ हो गया था तथा उसे एक भी सीट नहीं मिली थी। कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी से समझौता कर चुनाव लड़ा था। समझौते में आप ने चार व कांग्रेस ने तीन सीटों पर चुनाव लड़ा था। जिसमें कांग्रेस को 18.91 प्रतिशत यानी 16 लाख 85 हजार 494 वोट मिले थे। कांग्रेस ने आठ विधानसभा सीटों पर बढ़त हासिल की थी। पिछले दो विधानसभा चुनाव के मतदान का ट्रेंड देखे तो दिल्ली में करीबन 16 से 18 प्रतिशत मतदाता ऐसे होते हैं जो किसी भी पार्टी के समर्थन नहीं है। वह हवा का रूख देख कर मतदान करते हैं। आप को स्विंग वाटरों की बदौलत दो बार भारी बहुमत मिल चुका है। स्विंग वोटर का झुकाव जिधर होता है उसी की जीत तय होती है। लोकसभा चुनाव में तो राष्ट्रीय मुद्दों के चलते स्विंग वोटर भाजपा की तरफ झुक जाता है। मगर विधानसभा चुनाव में उसका मूड बदल जाता है। जिसका लाभ आम आदमी पार्टी को मिलता है। पांच फरवरी को होने वाले मतदान में सबसे बड़ी भूमिका इन फ्लोटिंग वोटरों की होगी। इनका झुकाव जिस तरफ होगा उसी पार्टी को जीत मिलेगी। चुनाव में बहुत कम समय बचा है। ऐसे में सभी पार्टियों के दिग्गज नेता चुनावी मैदान में उतरकर अपनी पार्टी के प्रत्याशियों को जीत दिलाने के लिए जुटे हुए हैं। जेल जाने के चलते अरविंद केजरीवाल को मुख्यमंत्री पद छोड़ना पड़ा था। उनके स्थान पर अतिशी मार्लेना को 21 सितंबर 2024 को मुख्यमंत्री बनाया गया था। उसके बाद से आम आदमी पार्टी में बड़ी उठा पटक मची हुई है। इसी के चलते पार्टी ने बड़ी संख्या में पुराने विधायकों की टिकट काटी है। दूसरे दलों से आने वाले दलबदलुओं को भी बड़ी संख्या में टिकट दिया गया है।

अनुमान लगाते रहना हमारी आदतों में शुमार

प्रभात कुमार

अनुमानों की दुनिया कमाल है। समय अच्छा और स्वस्थ बिताने के लिए दूसरों के बारे कुछ भी अनुमान लगाते रहना हमारी आदतों में शुमार है। माना जाता है कि हमें तो पहले से सब कुछ पता है। आत्मविश्वास बढ़ा हुआ लगता है, लेकिन यह सब कुछ आत्मकेंद्रित ज्यादा होता है। कुछ लोगों के अनुमान सटीक भी होते हैं, जिसमें उनका गहन अनुभव, उनके ज्ञान और विश्लेषण की क्षमता की सक्रिय भूमिका होती है। फिर भी अनुमान अंदाजा ही है। अंदाजा लगाना हमारी जिंदगी का जरूरी हिस्सा बना हुआ है, लेकिन उससे बेहतर है कि हम अपने शरीर और सोच को सक्रिय रखते हुए असलियत जानने की कोशिश करें, ताकि दिमाग अनुमानों का नहीं, वास्तविक जानकारी का खजाना बन सके। अगर कोई परिचित बहुत दिनों बाद मिले, तो लोगों का अनुमान लगाना शुरू हो जाता है। लोग सोचने लगते हैं कि शायद वे बीमार होंगे। मेहमान स्वस्थ रहने के लिए चीनी कम पीए या फीकी चाय के लिए आग्रह करे तो उनकी जिंदगी में चीनी ज्यादा होने का अंदाजा तुरंत लगा लिया जाता है। खुद के वैवाहिक जीवन में कई दर्जन मसले चल रहे होते हैं, लेकिन दूसरों के जीवन और खासतौर पर वैवाहिक जीवन के बारे में संजीदा आकलन कर यह गहन विचार किया जा रहा होता है कि अब उन्हें क्या करना चाहिए। अनेक राजनीतिक, धार्मिक कयास ऐसे होते हैं जो समाज और देश का भला नहीं करते। कहीं जाना हो तो लोग कयास लगाते हैं कि इतने समय में वहां पहुंच जाएंगे। कितनी बार ऐसा होता है हम आधुनिक तकनीकी के रूप में जीपीएस की मदद लेते हैं, लेकिन उससे गंतव्य पर जल्दी पहुंचने के बजाय और ज्यादा समय लग जाता है। दरअसल, जीपीएस कई बार जल्दी पहुंचाने की कोशिश में छोटी जगहों में फंसा देता है। सड़कों पर भीड़भाड़ वाले समय में यातायात नियंत्रण के लिए लगाई गई बत्तियों पर गाड़ियों की जुलूसनुमा भीड़ सरक रही होती है और अंदाजा बेहोश हो चुका होता है। भूख के मारे पेट में सही समय पर खाने की आदतें कूद रही होती हैं। खास मौकों पर ठीक वक्त पर पहुंचने में अनेक बार देर हो जाती है। हममें से ज्यादातर लोग बच्चों को पैदा होने के कुछ वर्ष बाद ही कोचिंग देना शुरू कर देते हैं। उसे अक्सर यह कहने से नहीं हिचकते कि तुम्हें सबसे आगे रहना है और हमेशा नंबर वन रहना है। इस बीच हम यह अंदाजा लगाना भूल जाते हैं कि इस दुनिया में दूसरे बच्चे भी हैं, जिनके अभिभावक भी यही जरूरी कोचिंग दे रहे होते हैं। बच्चों को हारना या गिरना भी सिखाना जरूरी है। यह अंदाजा लगाना जरूरी है कि तब उन्हें कितनी मेहनत करनी होगी। कोई गलत चीज खरीद लेने पर कयास लगा लेते हैं कि अगर वापस करने गए तो दुकानदार बदलेगा नहीं या वापस नहीं करेगा। उसके बाद वह चीज घर में यों ही पड़ी रह जाती है। एक बार दुकानदार के पास जाकर उससे गुजारिश करने में कोई हर्ज नहीं। शायद वापस ले ले। नहीं तो यह संभव हो सकता है कि बदल कर दूसरी दे दे। ज्यादा से ज्यादा यह हो सकता है कि वह मना कर देगा। कुछ समय पहले तक बैंक के लिए जमा राशियों की बहुत जरूरत होती थी। एक बैंक के शाखा प्रबंधक ने मुख्य द्वार के बाहर बैठे एक बुजुर्ग की बात अनसुनी करते हुए कहा कि दस बजे आइए। उन बुजुर्ग ने एक व्यक्ति को रोका और हाथ में मजबूती से पकड़ा थैला थमाते हुए बोले, 'इसमें एक लाख रुपए हैं, बड़ी मुश्किल से बचाए हैं, सावधि योजना में जमा करना है। जो बाबू अंदर गए, उन्होंने कहा कि दस बजे आइए बाबा।' व्यक्ति ने एक लाख रुपए वाला साधारण-सा थैला प्रबंधक की मेज पर रखा और कहा कि ये एक लाख रुपए हैं, आप इनका शुक्रिया अदा करें सुबह-सुबह बिना मेहनत एक लाख रुपए जमा हो रहे हैं। प्रबंधक कुर्सी से उछल पड़े और बुजुर्ग से बोले, गलती हो गई बाबा माफ कर दो। अब यह साफ था कि वे बुजुर्ग व्यक्ति के बारे में सही अनुमान नहीं लगा पाए और उन्हें कम करके आंका। हाल अभी भी वैसा ही है। कई बार किसी बात की तह में गए बिना हम अंदाजा लगाते रहते हैं। विवाह में सहभोज का आयोजन हो तो पत्नी-पति ही आते हैं। कुछ दूसरे लोग पत्नी-पति, बच्चे, माता-पिता और मेहमान को भी ले आते हैं। बाकी लोग यह अटकल लगाते रहते हैं कि शायद उन्हें परिवार सहित बुलाया गया होगा।

शार्टकट और कॉपी पेस्ट की जकड़न में आज की जेनरेशन

सबसे बड़ी समस्या यही है कि आज का युवा पढ़ने पढ़ाने से दूर होता जा रहा है। गूगल गुरु के सहारें काम चलाया जा रहा है। सबसे अधिक चिंतनीय यह है कि ऐसे में युवाओं के समग्र बौद्धिक विकास की बात करना बेमानी हो जाता है। आज की जेनरेशन शार्टकट और कॉपी पेस्ट से आगे नहीं निकल पा रही है। इंटरनेट, मोबाइल, कम्प्यूटर और सोशियल मीडिया ने नई जेनरेशन को सीमित दायरे में कैद करके रख दिया है। नई पीढ़ी में से अधिकांश युवा कुछ नया करने, नया सोचने, नई दिशा खोजने के स्थान पर गूगल गुरु या इसी तरह के खोजी एप के सहारे आगे बढ़ने लगी है। तकनीक का विकास इस तरह से सोच और समझ को सीमित दायरें में लाने का काम करेगी यह तो सोचा ही नहीं था। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तो इससे भी एक कदम आगे निकल गई है। इसमें कोई दो राय नहीं कि तकनीक सहायक की भूमिका में हो तो वह आगे बढ़ने में सहायक हो सकती है पर तकनीक का जिस तरह से उपयोग होने लगा है वह ज्ञान और समझ को थुथला करने में ही सहायक सिद्ध हो रही है। यही कारण है कि आज की पीढ़ी से कोई भी सवाल करों वह उसका उत्तर गूगल गुरु या इसी तरह के प्लेटफार्म का सहारा लेकर तत्काल दे देंगे। हांलाकि सूचनाओं का संजाल जिस तरह से इंटरनेट प्लेटफार्म पर उपलब्ध है निश्चित रुप से वह आगे बढ़ाने में सहायक है पर आज की पीढ़ी उसी तक सीमित रहने में विश्वास करने लगी है। जिस तरह से एक समय परीक्षाएं पास करने के लिए वन डे सीरिज का दौर चला था ठीक उसी तरह से किसी भी समस्या का हल, किसी भी जानकारी को प्राप्त करने के लिए इंटरनेट को खंगालना आम होता जा रहा है। चंद मिनटों में एक नहीं अनेक लिंक मिल जाते हैं और कई बार तो समस्या यहां तक हो जाती है कि इसमें कौनसा लिंक अधिक सटीक है। दर असल इस तरह की जानकारी से तर्क क्षमता के विकास या विश्लेषक की भूमिका नगन्य हो जाती है। समझ में यह भी आ जाता है कि नेट पर इतनी जानकारी है तो फिर किताबों के पन्ने पलटने से क्या लाभ? इसका एक दुष्परिणाम किताबों से दूरी को लेकर साफ साफ देखा जा सकता है। इसमें कोई दो राय नहीं कि इंटरनेट, कम्प्यूटर और मोबाइल ने आज की पीढ़ी को शार्टकट की जिंदगी जीना सिखा दिया है। आज का युवा कट पेस्ट के सहारे अपना काम चला रहा है। कोई जानकारी लेनी है तो सीधा गूगल गुरु की शरण में जाता है और एक ही प्रश्न से संबंधित सामग्री के अनेक स्रोत देख कर वह अपनी सुविधा के अनुसार जो उसे सही लगता है कट किया और उसके बाद पेस्ट करके अपना काम पूरा कर लेता है। यह सब चिंतनीय इसलिए है कि सालाना माड्यूलर सर्वेक्षण 2024 में यह सामने आया है कि डेटा, सूचना, दस्तावेजों आदि के लिए इंटरनेट की शरण में चले जाते हैं और वहां पर जो मिलता है उसी को पेस्ट कर इतिश्री कर लिया जाता है। सर्वे की रिपोर्ट के अनुसार देश में उत्तराखण्ड के युवा सबसे आगे हैं और उत्तराखण्ड के करीब 66 फीसदी युवा कॉपी पेस्ट के सहारे काम चला रहे हैं। उत्तराखण्ड के पीछे पीछे ही बिहार के युवा हैं और बिहार के 60 प्रतिशत युवा कट पेस्ट के सहारे ही काम चला रहे हैं। उत्तरप्रदेश के युवाओं के हालात भी कमोबेस यही है और उत्तरप्रदेश के 56 फीसदी युवा कट पेस्ट का सहारा ले रहे हैं। कमोबेस यह हालात भारत ही नहीं आज की तारीख में दुनिया के अधिकांश देशों में आम होती जा रही है। तकनीक के उपयोग में कोई बुराई नहीं है अपितु तकनीक के उपयोग में आगे रहना समय की मांग होती है। पर बौद्धिक विकास या तार्किकता की पहली शर्त ही अध्ययन मनन होती है।

आज का राशिफल

मेष : [illegible] शुभांक-3-7-9

वृषभ : [illegible] शुभांक-3-5-7

मिथुन : [illegible] शुभांक-2-4-6

कर्क : [illegible] शुभांक-3-7-9

सिंह : [illegible] शुभांक-2-5-8

कन्या : [illegible] शुभांक-3-5-7

तुला : [illegible] शुभांक-3-5-7

वृश्चिक : [illegible] शुभांक-4-3-7

धनु : [illegible] शुभांक-3-6-8

मकर : [illegible] शुभांक-4-6-8

कुंभ : [illegible] शुभांक-2-5-6

मीन : [illegible] शुभांक-2-4-6

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5483

		2		6	1			9
8		5	4				7	6
6		4						
		3		5	2			
			8		7			
			9	3		2		
						1		2
3	6				8	4		7
2			1	4		9		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5482

7	3	2	5	6	1	8	4	9
8	1	5	4	2	9	3	7	6
6	9	4	7	8	3	5	2	1
1	8	3	6	5	2	7	9	4
4	2	9	8	1	7	6	3	5
5	7	6	9	3	4	2	1	8
9	4	8	3	7	5	1	6	2
3	6	1	2	9	8	4	5	7
2	5	7	1	4	6	9	8	3

वर्ग पहेली 5483

संकेत: बाएं से दाएं
1. 1995 को इस देश की क्रिकेट टीम ने [illegible] (फाइनल ट्रॉफी) अपने नाम किया (3)
4. 1930 में भारत में उच्च न्यायालय की इस प्रथम महिला न्यायाधीश ने जन्म लिया था (4)
7. अमानत में खयानत, प्रेमचंद की एक प्रसिद्ध कृति (3)
8. क्षण, लम्हा (2)
9. झुकना, प्रणाम करना (3)
11. बटा हुआ महीन रेशम, [illegible] (2)
12. अहित कामना सूचक शब्द (2)
15. निकटस्थ वस्तु का निर्देशक सर्वनाम (2)
16. देवों का शत्रु होने के कारण असुर को यह भी कहा जाता है (4)
18. [illegible] (4)
20. मित्र, दोस्त, सखा (2)
21. प्रदर्शित करना, बताना (3)
23. पुराणानुसार सात लोकों में से छठे लोक का नाम जहां असुर राज करते है (4)

ऊपर से नीचे
1. किसी शुभ कार्य का आरंभ (7)
2. आकाश में समकोण बनाती हुई ऊपर जाने वाली रेखा (2)
3. जंगल, अरण्य, वन (3)
4. लेप करना (3)
5. [illegible] (2)
6. बलपूर्वक किसी का माल, असबाब आदि हर लेना (3)
10. [illegible] के कारण भगवान शंकर का एक नाम (4)
13. तीन घंटे का समय, याम (2)
14. [illegible] (5)
17. [illegible] (3)
19. पति का छोटा भाई यह कहलाता है, [illegible] 1966 की एक [illegible] फिल्म (2)
22. संबंध से, हेतु, वास्ते (2)

वर्ग पहेली 5482 का हल

संक्षिप्त समाचार

प्रदेश में 9वीं व 11वीं की वार्षिक परीक्षा के लिए राज्य स्तर पर तैयार होंगे प्रश्नपत्र

भोपाल। प्रदेश के सरकारी स्कूलों की नौवीं व 11वीं कक्षा की वार्षिक परीक्षाएं तीन फरवरी से शुरू होंगी। नौवीं की परीक्षा पांच से 22 फरवरी तक सुबह 10 से दोपहर एक बजे तक होगी। वहीं 11वीं की परीक्षा तीन से 22 फरवरी तक दोपहर दो से शाम पांच बजे तक संचालित होगी। विद्यार्थियों को समय से आधा घंटे पहले परीक्षा कक्ष में पहुंचना होगा। इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) ने दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं।

डीपीआई ने प्रश्नपत्र तैयार करने से लेकर परीक्षा आयोजित करने की जिम्मेदारी मप्र राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा परिषद को दी गई है। इस परीक्षा के लिए प्रश्नपत्र राज्य स्तर पर तैयार किए जाएंगे। वहां से जिला शिक्षा अधिकारी के माध्यम से स्कूलों तक पहुंचेंगे। शेष प्रश्न पत्र आवश्यकतानुसार माध्यमवार जिला स्तर पर जिला शिक्षा अधिकारी अपने निर्देशन में प्राचार्य जिला स्तरीय उत्कृष्ट विद्यालय के माध्यम से विषय शिक्षक द्वारा तैयार कराए जाएंगे। यह प्रश्नपत्र तैयार करने में ऐसे शिक्षकों को प्राथमिकता दी गई, जिन्हें माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा प्रश्नपत्र निर्माण का प्रशिक्षण दिया गया है। बता दें, कि दोनों कक्षाओं के करीब 18 लाख विद्यार्थी परीक्षा में शामिल होंगे।

नव विवाहिता ने दुपट्टे से फांसी लगाकर दी अपनी जान

भोपाल नप्र। थाना तलैया से मिली जानकारी के अनुसार नव विवाहित मृतिका समरीन पति अमीर उम्र 27 वर्ष निवासी सिल्लिखाना तलैया भोपाल द्वारा अपने घर में दुपट्टे से फांसी लगा अपनी जान दे दी। मृतिका का पति आमिर खान फर्नीचर की दुकान पर काम करता है। मृतिका का एक लड़का 3-30 साल का और एक लड़की एक साल की है। बताया जा रहा है मृतिका की शादी 2018 में हुई थी। मौके से पुलिस को कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। पति की सूचना पर मौके में पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज मर्ग क्रमांक 1 कायम कर मामला जांच में लिया है। मामले में स्व पंचनामा करवाया गया है। मामले की जांच एसीपी कोतवाली अनीता प्रभा शर्मा द्वारा की जाएगी।

बस स्टैंड में मृत अवस्था में मिला युवक

भोपाल नप्र। थाना बैरागढ़ से मिली जानकारी के अनुसार मृतक सूरज बंसल पुत्र गणेश उम्र 35 वर्ष निवासी बस स्टैंड बैरागढ़ भोपाल 18 जनवरी दोपहर मृत अवस्था में पाया गया। इसकी सूचना पास ही दुकान लगाने वाले सतीश भलावी द्वारा पुलिस को दी गई। बताया जा रहा है कि मृतक कई दिनों से घर से भाग आया था और भिखारी अवस्था में बैरागढ़ बस स्टैंड के पास ही पड़ा रहता था। मृतक मूलत- थाना खजुरी सड़क स्थित ग्राम का निवासी है। पुलिस ने मामले में मर्ग क्रमांक 4 कायम कर जांच में लिया है। बताया जा रहा है मृतक अकेला ही था उसकी शादी नहीं हुई थी।

11वीं के छात्र की ट्रेन से कटकर मौत

भोपाल (नप्र)। भोपाल में 11वीं के छात्र की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। वह ऑनलाइन गेम-फ्री फायर खेलने का आदी था। परिजन का मानना है कि ऑनलाइन गेमिंग में किसी टास्क को पूरा करने में वह ट्रेन की चपेट में आ गया। इससे उसकी जान चली गई घटना शुक्रवार रात छोला मंदिर थाना क्षेत्र की है। शनिवार को पुलिस ने परिजन के बयान दर्ज किए। इस दौरान उसकी ऑनलाइन गेम खेलने के आदी होने का खुलासा हुआ। टीआई सुरेश चंद्र नागर ने बताया कि मोबाइल फोन जब्त कर लिया है। फोन की फोरेंसिक जांच कराई जाएगी।

मामा बोले- भांजा मोबाइल में बिजी रहता था- छात्र मृत्युंजय शर्मा पुत्र रमा शर्मा (16) भानपुर मल्टी में रहता था। वह प्राइवेट स्कूल से 11वीं कक्षा की पढ़ाई कर रहा था। मृतक के मामा मनोज शर्मा ने बताया कि भांजा ऑनलाइन गेम खेलने का शौकीन था।

प्रदेश में 20 से ज्यादा शहरों में छाया घना कोहरा

भोपाल नप्र। मध्य प्रदेश में सर्दी का सितम जारी है। प्रदेश में कड़ाके की ठंड का असर अब और तेज हो सकता है। मौसम विभाग के मानें तो बर्फीली हवाओं की रफ्तार बढ़ सकती है। अगले तीन दिनों तक अधिकतर जिलों में घना कोहरा छाया रह सकता है। रविवार सुबह 20 से ज्यादा जिलों में कहीं मध्यम तो कहीं घना कोहरा छाया है। मौसम विभाग ने आज शाजापुर, सीहोर, रायसेन, रतलाम और सिंगरौली में कोल्ड-डे का अलर्ट जारी किया है।

मौसम विभाग के अनुसार, बर्फीली हवाओं हवाओं और पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टरबेंस) के कारण प्रदेश में ठंड का असर बढ़ गया है। मौसम विभाग ने पूरे जनवरी महीने में तेज सर्दी पड़ने की संभावना जताई है। रविवार को गुना, अशोकनगर, श्योपुर, ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, शिवपुरी, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी जिलों में घना कोहरा छाए रह सकता है। जबकि सीधी, रीवा, मऊगंज, सतना, मैहर, भोपाल, विदिशा, राजगढ़, धार, इंदौर, उज्जैन, सिंगरौली, रायसेन, सीहोर, रतलाम में मध्यम से लेकर हल्का कोहरा छाए रह सकता है। 20 जनवरी को ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़ और छतरपुर में कोहरा रहेगा। 21 जनवरी को ग्वालियर, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, दतिया, भिंड, मुरैना और श्योपुर में कोहरे का अलर्ट है।

इससे पहले शनिवार को प्रदेश के 23 जिलों में कोहरा रहा। ग्वालियर-चंबल में तो 50 मीटर दूर देखना भी मुश्किल था। जेट स्ट्रीम हवा 241 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से चलती रही। प्रदेश के कई शहरों में शनिवार को कोल्ड-डे जैसी स्थिति रही। शिवपुरी में सबसे कम 19 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

दमोह में 20 डिग्री, खजुराहो में 22.2 डिग्री, नौगांव में 22.5 डिग्री, नरसिंहपुर में 22.6 डिग्री, रीवा-पचमढ़ी में 23 डिग्री तापमान रहा। बड़े शहरों में ग्वालियर सबसे ठंडा रहा। यहां दिन का तापमान 21 डिग्री दर्ज किया गया। भोपाल में 25.6 डिग्री, उज्जैन में 29 डिग्री, इंदौर में 27.9 डिग्री और जबलपुर में 25 डिग्री तापमान रहा।

दवा व्यापारी का टीटी नगर स्थित होटल में मिला मृत अवस्था में शव

भोपाल नप्र। रीवा जिले के निवासी दवाई व्यापारी का भोपाल के टीटी नगर स्थित एक होटल में मृत अवस्था में शव पाया गया है। थाना टीटी से मिली जानकारी के अनुसार मृतक आनंद कुमार मिश्रा पुत्र राजेश्वर मिश्रा उम्र 50 वर्ष निवासी रीवा। जो विगत 16 जनवरी 2025 को भोपाल आए हुए थे। वह टी टी नगर स्थित मिड टाउन होटल प्रदर्शनी मार्केट में रुके हुए थे। बताया जा रहा है कि मृतक दवाइयो का थोक व्यापार करता था। इसी कार्य के सिलसिले में वह अक्सर भोपाल आता रहता था और घटना के पूर्व भी वह 16 तारीख को भोपाल आया था। मिड टाउन होटल के मैनेजर नारायण यादव ने पुलिस को सूचना दे बताया था कि मृतक आनंद कुमार मिश्रा जिनका 17 जनवरी से गेट बंद है। जो अभी 18 जनवरी तक नही खुला है और न ही वह अंदर से आवाज दे रहे और न ही फ़ोन उठा रहे है। सूचना पर मौके में पहुंची पुलिस ने 18 जनवरी सुबह पहुंच गेट खुलवाया। जब पुलिस और मैनेजर अंदर पहुंचे तो मृतक पलंग के नीचे मृत अवस्था में पड़ा हुआ था। मौके से पुलिस को मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है पुलिस ने मर्ग क्रमांक 5 कायम कर मामला जांच में लिया है।

प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना में भूमि स्वामी अधिकार अभिलेख वितरण कार्यक्रम

भोपाल नप्र। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा केंद्र स्तरीय कार्यक्रम में हितग्राहियों को प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना में झाबुआ जिले में ई-वितरण कार्यक्रम महिला बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया की अध्यक्षता में हुआ। झाबुआ जिले के 50 ग्रामों के अंतर्गत 4,286 अधिकार अभिलेखों का वितरण किया गया।

महिला-बाल विकास मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में स्वामित्व योजना में लोगों को योजना का लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि इस महत्वकांक्षी योजना के माध्यम से भूमि और संपत्ति के रिकार्ड डिजिटलीकरण एवं मालिकाना हक का लाभ अधिक से अधिक लोगों को प्राप्त होगा। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि संपत्ति कार्ड से कई प्रकार की परेशानियों का हल हो सकेगा। उन्होंने स्वामित्व योजना के लाभार्थियों को शुभकामनाएं देकर निरन्तर विकास के पथ पर अग्रसर रहने की कामना की। मंत्री सुश्री भूरिया ने कार्यक्रम में स्वच्छ भारत एवं नशा मुक्त भारत की शपथ दिलायी। कलेक्टर नेहा मीना ने बताया कि स्वामित्व योजना अंतर्गत जिले में ड्रोन फ्लाय ग्रामों की कुल संख्या 396, अधिकार अभिलेख तैयार किए गए कुल ग्रामों की संख्या 334, पूर्व वितरित ग्रामों की संख्या 284, जिनमें कुल 15 हजार 142 अधिकार अभिलेख वितरित किए गए हैं। कलेक्टर ने कहा कि प्रतीकात्मक रूप से कुछ हितग्राहियों को स्वामित्व कार्ड दिये जा रहे हैं, शेष हितग्राहीयों को पृथक से एवं ग्राम पंचायत स्तर पर कार्यक्रम कर और घर-घर जाकर वितरण किया जाएगा।

प्रतिबंधित पालीथीन व सिंगल यूज प्लास्टिक विक्रेताओं के विरूद्ध निगम की सख्त कार्यवाही

भोपाल नप्र। नगर निगम द्वारा प्रतिबंधित पालीथीन एवं सिंगल यूज प्लास्टिक विक्रेताओं के विरूद्ध मुख्य बाजारों एवं सामाहिक हाट बाजारों में कार्यवाही निरंतर की जा रही है। इसी तारतम्य में शनिवार को निगम के विभिन्न जोनों के दलों ने संयुक्त रूप से वार्ड क्रमांक 56 में विजय मार्केट सामाहिक बाजार में कार्यवाही करते हुए 06 किलोग्राम प्रतिबंधित पालीथीन/सिंगल यूज प्लास्टिक जप्त की और उन्हें अनुपयोगी बनाया साथ ही 27 प्रकरणों में 02 हजार 700 रूपये की राषि का जुर्माना किया।

निगम आयुक्त श्री हरेन्द्र नारायन द्वारा प्रतिबंधित पालीथीन/सिंगल यूज प्लास्टिक विक्रेताओं के विरूद्ध कार्यवाही करने संबंधी निर्देषों के परिपालन में निगम अमले द्वारा मुख्य बाजारों एवं सामाहिक हाट बाजारों में निरंतर सख्त कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में निगम के जोन क्रमांक 12, 14, 15, 16 तथा 18 के स्वास्थ्य विभाग के अमले के दलों ने जोन क्र. 14 के अंतर्गत वार्ड क्र 56 के विजय मार्केट सामाहिक हाट बाजार में कार्यवाही करते हुए अलग-अलग दुकानों से 06 किलोग्राम प्रतिबंधित पालीथीन/सिंगल यूज प्लास्टिक सामग्री जप्त की और इसे अनुपयोगी बनाते हुए 27 प्रकरणों में 02 हजार 700 रूपये का जुर्माना किया।

भाजपा ने बूथों पर सुनी प्रधानमंत्री मोदी की मन की बात

मंदसौर, 19 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा के नेतृत्व में मध्य प्रदेश के सभी 64000 पोलिंग बूथों पर माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की मन की बात कार्यक्रम का 118 वा एपिसोड बूथ पर रहने वाले वरिष्ठजनों एवं बूथ कार्यकर्ताओं की गरिमामय उपस्थित में सुना गया। भारतीय जनता पार्टी जिला मंदसौर में भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश दीक्षित के नेतृत्व में जिले के अधिकांश बूथों पर जिला भाजपा द्वारा तय किए गए भाजपा के राष्ट्रीय, प्रादेशिक और जिला स्तर के जन प्रतिनिधियो एवं पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रत्येक बूथ पर मोदी जी के मन की बात कार्यक्रम को सुना गया। मन की बात के इस कार्यक्रम में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा मंदसौर विधानसभा के दक्षिण मंडल के बूथ क्रमांक 147 पर पहुंचे और क्षेत्रीय पार्षदों और संगठन पदाधिकारीयो की उपस्थिति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मां की बात कार्यक्रम का 118 एपिसोड का श्रवण किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने कांग्रेस द्वारा भाजपा के विरुद्ध फैलाई जा रही संविधान विरोधी षड्यंत्र को जनता के बीच बेनकाब करने का आग्रह किया और बूथ के कार्यक्रम को संगठन ऐप पर अपलोड किया।

मंदसौर जिले की प्रभारी मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने भाजपा जिला अध्यक्ष श्री राजेश दीक्षित जी एवं साथी पदाधिकारीयो के साथ दलोदा मंडल के बूथ क्रमांक 274 पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मन की बात कार्यक्रम का श्रवण किया। सांसद सुधीर जी गुप्ता ने दलौदा मंडल के बूथ क्रमांक 249 पर पार्टी पदाधिकारियों,क्षेत्र वासियों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मन की बात कार्यक्रम का श्रवण किया। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा पाटीदार ने सुवासरा विधानसभा के बूथ क्रमांक 230 पर बूथ समिति सदस्यों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की मन की बात कार्यक्रम का श्रवण किया। पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया भाजपा दक्षिण मंडल के बूथ क्रमांक 112 पर पहुंचे और प्रधानमंत्री नरेंद्रमोदी जी की मन की बात कार्यक्रम का श्रवण किया। पूर्व मंत्री एवं विधायक हरदीप सिंह डंग ने अपने विधानसभा क्षेत्र सुवासरा के बूथ क्रमांक 265 पर संगठन पदाधिकारी और बूथ समिति सदस्यों की उपस्थिति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मन की बात कार्यक्रम का श्रवण किया। विधायक चन्दरसिंह सिसोदिया ने गरोठ विधानसभा के भानपुरा नगर स्थित बूथ क्रमांक 65 पर संगठन पदाधिकारी और वरिष्ठजनों की उपस्थिति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मन की बात कार्यक्रम का श्रवण किया। भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक मदनलाल जी राठोर मंदसौर विधानसभा के उत्तर मंडल के वार्ड द्व्ङ्घ्थ्द्व्थ के बूथ पर पहुंचे और पार्षद एवं बूथ समिति सदस्यों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मन की बात कार्यक्रम का श्रवण किया। पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष नानालाल अटोलिया मंदसौर विधानसभा के दक्षिण मंडल के बूथ क्रमांक 123 पर पहुंचे और पार्षद शीत समिति के सदस्यों और क्षेत्र वासियों की उपस्थिति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की मन की बात कार्यक्रम का श्रवण किया। इसी प्रकार भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य अनिल कियावत मंदसौर विधानसभा के दक्षिण मंडल वार्ड क्रमांक 26 के बूथ पर पहुंचे और क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं और पदाधिकारीयो की उपस्थिति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मन की बात कार्यक्रम का श्रवण किया। पिछड़ा मोर्चा प्रदेश मंत्री धीरज पाटीदार भी संबंधित बूथ पर पहुंचे और मन की बात कार्यक्रम का श्रवण किया। भाजपा कार्यालय प्रभारी पारस मावर ने मंदसौर विधानसभा के उत्तर मंडल के बूथ क्रमांक 65 पर बूथ समिति सदस्यों के साथ मन की बात कार्यक्रम का श्रवण किया। इसी प्रकार जिला भाजपा पदाधिकारीगण, मोर्चा पदाधिकारी गण ,मंडल अध्यक्ष तथा पदाधिकारी गण अपने अपने संबंधित बूथों पर पहुंचे और बूथ समिति और क्षेत्र वासियों की उपस्थिति में प्रधानमंत्री मोदी जी के मन की बात कार्यक्रम का श्रवण किया। सभी प्रवासी पदाधिकारीयो द्वारा मन की बात कार्यक्रम को संगठन ऐप पर अपलोड किया गया। उक्त जानकारी भाजपा जिला मिडिया प्रभारी निलेश जैन ने दी।

मेघवाल समाज के युवाओं का मिलन समारोह सम्पन्न

बादपुर, 19 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। मेघवाल समाज के युवाओं का मिलन समारोह ढाबला के पास आड़ा खार बाँध पर आयोजित किया गया जिसमे समाज के सभी युवा एक व्हाटसप संदेश को सुचना मानकर पधारे व मिलन समारोह मे सहभागिता की जिसमे समाज उत्थान के लिए करीब सेकड़ो युवाओ ने काफ़ी लम्बी चर्चाए की साथ ही शिक्षा व रोजगार सहित कई मुद्दों पर बातचीत हुवी सहित युवाओं ने बताया आगामी समय मे कई सामाजिक बड़े मुद्दों पर विचार विमर्श किया जायेगा सभी ने बारी बारी से अपने विचार व्यक्त किये तत्पश्चात सभी का सहभोज हुवा समाज के सभी युवा उपस्थित थे।

उद्योगों के विस्तार एवं कार्य पद्धति में सुधार के लिए एमएसएमई कार्यशाला

नीमच, 19 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग की मध्य प्रदेश की नोडल एजेंसी लघु उद्योग निगम द्वारा नीमच में 20 जनवरी शाम 4:30 बजे आयुष भवन कॉन्फ्रेंस हॉल में लघु उद्योग भारती के सहयोग से उद्योगों के विस्तार एवं कार्य पद्धति में सुधार के लिए कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।

जिला उद्योग एवं व्यापार केंद्र नीमच के महाप्रबंधक श्रीमती योगिता भटनागर ने द बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर उद्योगों की कार्यप्रणाली में सुधार एवं विस्तार के लिए ठअचझ नाम से कार्यशाला का आयोजन संपूर्ण भारतवर्ष में किया जा रहा है जिसके अंतर्गत मध्य प्रदेश के नीमच जिले में डएअछ मैनेजमेंट,नएऊ सर्टिफिकेशन एवं खझठ जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा जानकारी प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि विकसित भारत में एमएसएमई की महत्वपूर्ण भूमिका है एवं इस भूमिका को पूरा करने के लिए उद्योगों को अपना विस्तार एवं उसकी कार्य प्रणाली में सुधार की आवश्यकता है जिससे कि वह अपनी कार्य क्षमता एवं उत्पाद की गुणवत्ता को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के मापदंड पर पहुँचा सकते हैं। लघु उद्योग भारती के सहयोग से यह कार्यशाला नीमच में आयोजित की जा रही है जिसमें अधिक से अधिक उद्यमियों की सहभागिता का अनुरोध किया गया है।

पहला मेगा ऑडिशन फ़िल्म थारो म्हारो प्रेम का सम्पन्न

मंदसौर, 19 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। मेगा ऑडिशन मालवी की पहली रोमांटिक फ़िल्म थारो म्हारो प्रेम के कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और भगवान गणेश की आरती से किया गया। पर्यावरण विद डॉक्टर उर्मिला सिंह तोमर की अध्यक्षता और लॉफ्टर फेम मुन्ना बैट्री , खाटू श्याम ट्रस्टी नरेंद्र सिंह चौहान के विशिष्ट आतिथ्य में मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार डॉ घनश्याम बटवाल, जिला प्रेस क्लब के संरक्षक ब्रजेश जोशी एडमिशन सेलप्रमुख डॉ. आशीष अग्रवाल मंदसौर यूनिवर्सिटी रजिस्ट्रार आशीष पारिख ,नवीन चौधरी, अक्षय यादव इवेंट्स एंड डांस के कोरियोग्राफर अक्षय यादव रामेश्वर फगवार सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर ,इंजीनियर दिलीप कुमार जोशी का स्वागत राठौर फिल्म्स एंड एंटरटेनमेंट के निर्देशक निर्माता राजेंद्र राठौर ने किया। चंचल पिपलोदिया योगेश भाई रज्ञ डांसर , कास्टिंग डायरेक्टर नरेंद्र कुमार त्रिवेदी पायल , मार्केटिंग हेड पंकज कुमार उपस्थित रहे। अतिथियों ने अपने उद्बोधन में सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं प्रदान की।

अपना स्वागत भाषण में निर्माता निर्देशक राजेंद्र राठौड ने कहा कि मालवी बोली में फिल्म के निर्माण से मालवी बोली राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचानी जाएगी , क्षेत्रीय सिनेमा के निर्माण से हमारे क्षेत्रिय कलाकारों को हमारे मालवा क्षेत्र में में अवसर मिलेगा, देश के अधिकतम राज्यों का अपना क्षेत्रीय भाषा सिनेमा है लेकिन हमारे सिनेमा की शुरुआत अब हो रही है और डायरेक्टर ने कहा कि पब्लिक का बहुत प्यार मिल रहा है और यह फिल्म पूर्ण रूप से पारिवारिक फिल्म में जो कोई सामाजिक मुद्दों पर संदेश देती है साथ ही साथ मालवा के मुख्य पर्यटन स्थलों का प्रचार प्रसार करती है मालवा की सांस्कृतिक धरोहर संजा के गीत शादी में गेरू से बनाए जाने वाले मांडने आदिवासी क्षेत्र का भगोरिया उत्सव, दाल बाटी आदि सांस्कृतिक उत्सवों का इस फिल्म में प्रमुखता से उल्लेख होगा, फिल्म का मुख्य आकर्षण मालवा के प्रमुख साहित्यकारों की रचनाओं को इस फिल्म में गीतों के माध्यम से शामिल करना है, जो युवा पीढ़ी को मालवी की मिठास से अवगत कराएगी। थारो म्हारो प्रेम की शुरुआत से भविष्य में भी कई फिल्मों का निर्माण होगा, आने वाले समय में हमारे मालवा क्षेत्र में फिल्म सिटी की स्थापना में यह कदम बहुत सार्थक रहेगा। हमारे मालवा क्षेत्र में फिल्म टेक्निकल इंस्टिट्यूट की कमी है वह भी खोले जाएंगे ताकि रोजगार के अवसर हमारे युवाओं को मिले इस फिल्म के लिए ऑडिशन मंदसौर नीमच रतलाम उज्जैन इंदौर झाबुआ भोपाल में लिया जाएगा एवं मालवांचल के 100सिनेमाघरों में इसी वर्ष फिल्म को रिलीज किया जाएगा बड़े पर्दे पर। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए अंचल की कई खूबसूरत लोकेशन पर फिल्माया जाएगा। इस ऑडिशन में अंचल के मंदसौर नीमच मुंबई इंदौर देवास सुवासरा शामगढ सीतामऊगरोठ भानपुरा गांधी सागर प्रतापगढ निंबाहेड़ा चित्तौड़ पिपलिया मंडी रतलाम उज्जैन मल्हारगढ़ जावरा मनसा रामपुरा और मंदसौर यूनिवर्सिटी में विभिन्न संकायों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राएं सम्मिलित हुए आयोजन का संचालन नरेंद्र कुमार त्रिवेदी सूत्रधार ने किया।

उत्सुकता एवं समाधान मानव गुणधर्म है-इंजी. व्यास

जिज्ञासु एवं मुमुक्षु विषय पर श्री भीमाशंकर महादेव मंदिर पर परिचर्चा सम्पन्न

मंदसौर, 19 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। सृष्टि के निर्माण एवं मानव की उत्पत्ति के साथ ही ईश्वर ने मानव मस्तिष्क में उत्सुकता का भाव व उस उत्सुकता के समाधान का गुणधर्म मानव मस्तिष्क में डाल दिया था। यही प्रकृति के अन्दर सब कुछ जानने की उत्सुकता जिज्ञासा कहलाती है। उक्त विचार इंजी. सुनील व्यास ने व्यक्त किए। वे बड़ी होली, किला रोड स्थित प्राचीन श्री भीमाशंकर महादेव मंदिर पर राष्ट्र व सनातन जागरण अभियान के अंतर्गत अनुराग संस्था व ब्रह्म परिषद के संयुक्त आयोजन 'आत्मबोध' में 'जिज्ञासु एवं मुमुक्षु' विषय पर अपने विचार रख रहे थे। विषय को विस्तार देते हुए व्यास ने कहा कि जिज्ञासा, जिज्ञासु व्यक्ति को सब कुछ जानने समझने के लिए प्रेरित करती है। उसके समक्ष प्रश्न रातदिन खड़े रहते हैं और वे उसे परेशान करते हैं वहीं पर मुमुक्षु उन प्रश्नों के उत्तर खोजने में लग जाता है। मुमुक्षु को प्रश्न परेशान नहीं करते क्योंकि वह उसके समाधान में जुट जाता है। इंजी. दिलीप जोशी ने कहा कि एक सामान्य व्यक्ति इस संसार की उलझनों को, इसके मायाजाल को नहीं समझ पाता है। उसकी जिज्ञासाएं उसे मायामोह के जंजाल में और फंसाती जाती है। वहीं पर मुमुक्षु भाव का व्यक्ति, एक विरक्त मानव इन सब झंझटों से दूर रहकर सम्पूर्ण आनन्दमय जीवन जीता है।

परिचर्चा को आगे बढ़ाते हुए जोशी ने कहा कि आज भोग विलासिता के काल में जिज्ञासाएं हमें भटकाती हैं। हमारा मानसिक तनाव बढ़ा रही है। इसीलिए आज मानव जीवन संकट में है। ऐसे में एक मुमुक्षु, एक सच्चा गुरु, एक सिद्ध संत का सानिध्य आपको इन सब संकटों से सुरक्षित बाहर निकाल सकता है। इस अवसर पर पर्यावरण प्रेमी रमेश सोनी ने बताया कि जीवन के प्रारम्भिक काल से ही मनुष्य जिज्ञासु रहा है लेकिन हमारे ऋषि मुनियों के मुमुक्षु भाव ने इस पूरे संसार को अध्यात्म के माध्यम से कल्याण का मार्ग बताया है। उन्होंने वेद, पुराण एवं गीता आदि महान ग्रंथों की रचना कर सम्पूर्ण मानव जाति को एक सफल, शांति व आनन्दमय जीवन यापन का मार्ग बताया है। साथ ही विघ्न संतोषियों से निपटने के लिए उन्होंने शास्त्र के साथ हमें शस्त्र का भी ज्ञान दिया है। परिचर्चा में अनुराग संस्था व ब्रह्म परिषद के संस्थापक गोपालकृष्ण पंचारिया ने कहा कि हमारे मन में हमेशा से ही अंतरिक्ष के बारे में एक कौतूहल रहा है। अंतरिक्ष के सम्बन्ध में जानने की उत्सुकता रही है लेकिन हमारे वैज्ञानिक आज अंतरिक्ष में पहुंचकर हमारी जिज्ञासा का समाधान कर रहे हैं। कृष्ण वल्लभ कौशिक ने बताया कि जिज्ञासा मनुष्य के अन्दर एक प्रकृति प्रदत्त गुण है और मुमुक्षु उस जिज्ञासा का समाधान निकलता है। परिचर्चा का संचालन गोपालकृष्ण पंचारिया ने किया।

मृत्यु सत्य है शरीर नश्वर है फिर भी अपनों के जाने का दु:ख-राठौर

मंदसौर, 19 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। मृत्यु सत्य है शरीर नश्वर है फिर भी अपनों के जाने का दु:ख होता है यह बात बलराम राठौर अध्यक्ष श्री कृणानंद गुजराती सेन समाज संस्थान मंदसौर ने अलग अलग पांच गांव मे सामाजिक परिवारों मे हुई गमी के बाद पगड़ी आयोजन मे शोक संवेदना तस्वीर की भेंट करते समय कही। श्री राठौर ने कहा की सामाजिक क्षेत्र मे कार्य करना यह कोई राजनैनिक नही है मौके मौके पर विगत दिनों सामाजिक परिवारों अपनों के बीच मे पहॅचकर उनके सुख दु:ख मे सहभागता करना ही समाजसेवा जैसा कार्य है जिसमे आप हम सब को एकजुअ होकर नव युवाओं कें सहयोग से समाज के विकास मे शिक्षा को बढ़ावा देना ही मुख्य उद्धेश्य है। सामाजिक कुरूतियों पर आज के युवा स्वयं विचार करे और उन पर प्रतिबंध लगावे। शोक संवेदना मे बालागंज के नंन्दकिशार राठौर के सुपुत्र के देवलोग गमन, छोटी गड़भेली, रिच्छा बच्चा, नाहरगढ़, खेड़ा सीतामउ, मुदेंड़ी मे सौलंकी परिवार मे शोक संवदना पत्र स्वरूप तस्वीरें भेंट की गई। इस अवसर पर सचिव अशोक परमार, हरीप्रसाद गेहलोद पिपिल्यामंडी, अंतिम देवड़ा मंदसौर, भुवानीराम सविता नाहरगढ़, नागुलाल सेन प्रतापगढ़, श्यामलाल सोंलंकी छायन मौजुद थे।

कन्यादान का आयोजन बहुत बड़ा आयोजन है इसमें सभी की भावनाएं जुड़ी है-उप मुख्यमंत्री

सरकार ने बहुत सारी योजनाएं बनाई जिसमें से कन्या विवाह योजना भी एक हैं-प्रभारी मंत्री

मंदसौर, 19 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवडा एवं जिले की प्रभारी मंत्री तथा महिला बाल विकास विभाग की मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया संत श्री रोटीराम जी महाराज कदम आश्रम, गौशाला, बेहपुर, चांदीखेडी, खजुरिया सारंग के सामूहिक विवाह कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। सामूहिक कन्यादान विवाह सम्मेलन में 76 जोडो को शुभकामनाएं प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान सांसद श्री सुधीर गुप्ता, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा विजय पाटीदार, मंदसौर विधायक श्री विपिन जैन, श्री राजेश दीक्षित, पूर्व विधायक श्री यशपाल सिंह सिसोदिया, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री बसंत शर्मा, श्री नानालाल अटोलिया, राजेंद्र सिसोदिया, संत श्री, प्रशासनिक अधिकारियों में कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग, पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक आनंद, सीईओ जिला पंचायत श्री राजेश कुमार जैन, अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल, अधिकारीगण, आम नागरिक, पत्रकार मौजूद थे।

कार्यक्रम के दौरान उप मुख्यमंत्री श्री देवडा द्वारा कहा गया कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह कार्यक्रम की जितनी सराहना की जाए उतनी कम है। जन भागीदारी से जुडा हुआ इस तरह का पहला और सबसे बडा आयोजन है। ऐसे आयोजन में सभी की भावनाएं जुडी है। कन्यादान एक बहुत बडा दान होता है। सफल आयोजन के लिए आयोजन समिति को बहुत-बहुत धन्यवाद दिया। वर-वधु एवं परिवार वालों को बधाई और शुभकामनाएं प्रदान की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना को कई प्रदेशों ने अपनाया है। इस योजना के माध्यम से समय और धन दोनों की बचत होती हैं। इस दौरान बेहपुर में मांगलिक भवन बनाने की घोषणा की। प्रभारी मंत्री सुश्री भूरिया ने रोटीराम महाराज की भूमि को प्रणाम किया। उन्होंने कहा कि यहा पर आना हम सभी का सौभाग्य है। सभी लोग गौ माता के महत्व को समझें और गौ माता की पूजा करें। उन्होंने सभी वर वधु को हार्दिक शुभकामनाएं प्रदान की। सभी का जीवन खुशियों से भरपूर हो। दांपत्य जीवन सुखमय हो। सांसद श्री सुधीर गुप्ता ने कहा कि आज आनंद का उत्सव है। यह क्षेत्र सत्संग की भूमि है। गौ संरक्षण की भूमि है। सनातन से जुडे हुए सभी लोग हैं। सभी को बधाई और शुभकामनाएं। मुख्यमंत्री कन्या विवाह सम्मेलन में सभी जोडों को 49-49 हजार रुपए की कन्या विवाह सहायता योजना का लाभ प्रदान किया गया।

बेटे की शादी में मैरिज गार्डन में झूम रहा था परिवार, घर में घुसे चोर ले गए लाखों रुपये कैश और जेवर

रतलाम, 19 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। रतलाम जिले में चोरी की वारदातें बढती जा रही है। शनिवार व रविवार की दरमियानी रात दीनदयाल नगर निवासी पानी व्यापारी सुनील मूणत व उनका परिवार बेटे की शादी के कार्यक्रम में गया हुआ था, तभी चोर घर पर खिडकी के रास्ते घुसे तथा करीब 44 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवर चुराकर ले गए।

सीसीटीवी कैमरे में दो चोर कैद हुवे है, उनकी पहचान नहीं हुई है, पुलिस चोरों की तलाश में जुटी है। जानकारी के अनुसार शहर सराय स्थित नाकोडा ड्रेसेस के संचालक सुनील मूणत निवासी दीनदयाल नगर के बेटे की शादी का आयोजन सागौद रोड चंपा विहार पर हो रहा है। शनिवार को परिवार घर पर ताला लगाकर सागोद रोड स्थित चम्पा विहार मैरिज गार्डन में था। तभी किसी समय चोर उनके घर की दूसरी मंजिल पर दरवाजे की खिडकी का कांच तोड़ कर घुसे तथा कीमती सामान खंगालने के लिए बदमाशों ने आलमारी को तोडक़र सोना-चांदी सहित नगदी पर हाथ साफ कर दिया।

12 लाख रुपये नकद भी ले गए- चोरी का पता उस समय चला जब परिजन देर रात को घर पहुंचे। परिवार के लोग ताला खोलकर उम्पर के घर पहुंचे तो आलमारी टूटी मिली। आलमारी से सोना-चांदी और नगदी रुपया गायब था। बताया जाता है कि चोर करीब 400 ग्राम वजनी सोने के जेवर, चांदी के जेवर तथा करीब 12 लाख रुपये नकद ले गए। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर जांच की। मूणत के मकान पर लगे सीसीटीवी कैमरे के फूटेज चेक किये । कैमरे में दो बदमाशों की हरकत कैद हुई है। वे कैमरे में उम्पर चढते नजर आ रहे है। पुलिस सीसीटीवी फूटेज के आधार पर बदमाशों की तलाश में जुट गई है। रविवार दोपहर एसपी अमित कुमार, एएसपी राकेश खाखा और अन्य अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने घटना स्थल का बारीकी से अवलोकन किया। एसपी अमित कुमार ने बताया कि चोरी की घटना रात करीब 11 से 12 बजे के बीच होना पाई गई है। सूचना मिलने पर तत्काल पुलिस टीम पहुंच गई थी। टेक्निकल टीमों को भी घटनास्थल पर भेजा गया था। कुछ सुराग मिले हैं, जल्द मामले को ट्रेस कर चोरों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

महिला की मौत के बाद उसके खाली पड़े भूखण्ड पर दबंगों के कब्जा करने का प्रयास...

रिश्तेदारों को भी पीटा, प्रकरण दर्ज होने के बाद भी रात के अंधेरे में चल रहा निर्माण

पिपलियामंडी, 19 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। महिला की मौत के बाद खाली पड़े भूखण्ड पर कब्जा करने के मामले में प्रकरण दर्ज होने के बाद भी दबंगों द्वारा प्लाट पर कब्जा करने की नियत से निर्माण कार्य चलाया जा रहा है। पीडित पक्ष ने एसपी को शिकयत कर न्याय की गुहार लगाई है। जानकारी के अनुसार गांव झारडा में 30 बाय 66 का एक भूखण्ड लीलाबाई शर्मा के नाम से है। लेकिन लीलाबाई की एक साल पहले मौत हो गई थी। लीलाबाई के कोई संतान नही थी, मृत्यु पूर्व श्रीमती लीलावती अपने भाई जयप्रकाश शर्मा के बेटे कुलदीप के नाम से भूखण्ड की वसीयत कर दी थी। इधर लीलाबाई की मृत्यु के बाद पडोस में रहने वाले शंभूपुरी गोस्वामी, द्वारकापुरी गोस्वामी ने उक्त खाली पडे प्लाट पर कब्जा करने की नियत से निर्माण कार्य शुरु कर दिया। इसको लेकर कुलदीप के रिश्तेदार अजय मदन, साजिद, अरुण आर्य, महेश मेघवाल, विशाल मेघवाल गए और बिना अनुमति के अवैध निर्माण कार्य करने से रोका तो कितुखेडी निवासी शंभूपुरी पिता रुघनाथ गोस्वामी, द्वारकापुरी पिता रुघनाथपुरी गोस्वामी व धनुषपुरी पिता बसंतीपुरी गोस्वामी, झारडा निवासी नन्हीबाई पति खाजू खां ने कुलदीप के रिश्तेदार व मित्र के साथ जाति सूचक गालियां देकर मारपीट की। कुलदीप ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने मारपीट एससीएसटी एक्ट की धाराओं में केस दर्ज कर लिया और पकड़कर ले गए और कुछ समय बाद सभी को छोड दिया। नारायणगढथानान्तर्गत झारडा पुलिस चौकी व ग्राम पंचायत झारडा को भी इसकी शिकायत की गई, उसके बाद भी दबंगों द्वारा रात के अंधेरे में निर्माण कार्य किया जा रहा है। इसको लेकर मंदसौर जिला पुलिस अधीक्षक व सीएम हेल्पलाइन पर भी शिकायत दर्ज कराई है।

इनका कहना:- झारडा पंचायत सचिव अमरसिंह भाटी ने बताया कि अवैध कब्जे की शिकायत के बाद ग्राम पंचायत ने नोटिस जारी किया है, जिसका अभी तक कोई जवाब नही आया है, शीघ्र ही कार्रवाई करेंगे।

नारायणगढ टीआई अनिल रघुवंशी का कहना है, दोनों पक्ष अपना-अपना कब्जा बता रहे है, मारपीट के मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है, राजस्व विभाग का मामला है, भूखण्ड को लेकर वही कार्रवाई करेंगे।

वहीं कितुखेडी निवासी शंभूपुरी का कहना है कि झारडा में उक्त प्लाट मेरे पिता रघुनाथपुरी ने सन् 1995 में खरीदा था, जिसके मेरे पास दस्तावेज भी है।

उप मुख्यमंत्री एवं प्रभारी मंत्री ने नारायणगढ़ में 1 करोड़ 69 लाख से निर्मित...

इंडोर स्पोर्टर्स काम्प्लेक्स भवन का लोकार्पण किया

मंदसौर, 19 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवडा एवं जिले की प्रभारी मंत्री तथा महिला बाल विकास विभाग की मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने नारायणगढ में 1 करोड 69 लाख से निर्मित इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स भवन नारायणगढ का लोकार्पण किया। लोकार्पण के पश्चात उप मुख्यमंत्री, प्रभारी मंत्री एवं सांसद ने टेबल टेनिस एवं बैडमिंटन खेल की गतिविधियों में भाग लिया। लोकार्पण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के मंत्री श्री मनसुख मांडविया, खेल और युवा कल्याण एवं सहकारिता विभाग मध्य शासन के मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंगवर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम से जुडें। इस दौरान मुख्यमंत्री के उद्बोधन को सभी ने देखा और सुना। लोकार्पण अवसर पर श्री राजेश दीक्षित, श्री नानालाल अटोलिया, पार्षद गण, स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारियों में कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग, पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक आनंद, सीईओ जिला पंचायत श्री राजेश कुमार जैन, अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल, खिलाडी, पत्रकार मौजूद थे।

उप मुख्यमंत्री श्री देवडा द्वारा कहा गया कि सरकार खेलों के प्रति रुचि ले रही हैं और खिलाडी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना परचम लहरा रहे हैं। ग्राम स्तर से भी अच्छे-अच्छे खिलाडी निकल कर अब बाहर आ रहे हैं। बजट में भी खेलों के लिए बजट की बढोतरी की गई है। पहले बजट बहुत कम हुआ करता था। खेलों के लिए बजट को और बढाया जाएगा। नारायणगढ में खेलों के लिए एक स्टेडियम का भी निर्माण किया जाएगा। इंडोर स्टेडियम हाल का नाम स्वामी विवेकानंद के नाम से हो इसके लिए प्रयास किए जाएंगे। सभी खिलाडियों को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं प्रदान की। प्रभारी मंत्री सुश्री भूरिया द्वारा कहा गया कि इंडोर स्टेडियम का पूरा-पूरा लाभ युवा खिलाडी प्राप्त करें। सभी खिलाडियों को बहुत-बहुत शुभकामनाएं। नारायणगढ को बहुत बडी सौगात मिलने जा रही है। इसका लाभ सभी खिलाडी प्राप्त करें। इंडोर गेम्स खेल से मध्य प्रदेश और देश का नाम रोशन करें। खिलाडी अपनी अपनी प्रतिभा को निखारे। इस इंडोर स्टेडियम के माध्यम से यहां के अच्छे-अच्छे युवा खिलाडी निकले। और खेल के क्षेत्र में बहुत आगे जाए। सांसद श्री सुधीर गुप्ता ने कहा कि वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भारत ने अपना नाम किया है। खिलाडियों ने अपनी एक अलग पहचान बनाई है। इंडोर स्टेडियम का पूरा-पूरा लाभ नारायणगढ के बच्चे प्राप्त करेंगे। खेल के क्षेत्र में बढने का अवसर मिलेगा।

उप मुख्यमंत्री एवं प्रभारी मंत्री ने टीबी रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

मंदसौर, 19 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवडा एवं जिले की प्रभारी मंत्री तथा महिला बाल विकास विभाग की मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने जन जागरूक्ता के लिए सर्किट हाउस मंदसौर से टीबी रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। टीबी मुक्त भारत अभियान के माध्यम से जिले में 100 दिवसीय टीबी जन जागरूकता अभियान चल रहा है। समाजसेवी श्री नारु भाई 24 मार्च तक स्वयं के खर्च पर टीबी रथ का संचालन करेंगे। समाज में टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत समस्त जन समुदाय को जुड़ने के लिए अपील की गई। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री द्वारा श्री नारू भाई का निक्षय मित्र बनने पर प्रमाण पत्र देते हुए सम्मान किया। इस दौरान सांसद श्री सुधीर गुप्ता, श्री राजेश दीक्षित, श्री नानालाल अटोलिया, सहित अन्य सभी जनप्रतिनिधि, कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग, पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक आनंद, सीईओ जिला पंचायत श्री राजेश कुमार जैन, अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल मौजूद थे।

मन की बात कार्यक्रम हुआ आयोजित

पिपलियामंडी, 19 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। स्थानीय गायत्री नगर स्थित जीत बॉडी केयर संस्थान पर मन की बात कार्यक्रम का आयोजन हुआ। भाजपा सोशल मीडिया विधानसभा प्रभारी इन्द्रजीत भट्टने बताया कार्यक्रम के बाद भारतीय संस्कृति अनुसार गायत्री मंत्र, महामृत्युंजय मंत्र के सामूहिक उच्चारण के साथ शांतिकुंज हरिद्वार तीर्थ का दुपट्टा पहनाकर नगर परिषद् अध्यक्ष श्रीमती इंदिरा सुनील देवरिया को सम्मानित किया। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता, लोकतंत्र सेनानी मनोहरलाल जैन, सुधीर जैन, सुनील देवरिया, भारतसिंह सोनगरा, वंदना तिवारी, संगीता धनोतिया, गोवर्धन योगी, बनेसिंह शक्तावत, सुरेश जैन, अनिल पाठक, अशोक गुर्जर, दिनेश पोरवाल, बालमुकुन्द मालवीय, नरेन्द्र पांडे आदि उपस्थित रहे।

प्रयागराज महाकुंभ में उज्जैन की विरासत, कला और संस्कृति के दर्शन

उज्जैन, 19 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। प्रयागराज महाकुंभ में भगवान महाकाल की नगरी उज्जैन का खूब यशगान हो रहा है। मध्यप्रदेश संस्कृति विभाग नृत्य, नाटक, गायन, वादन एवं चित्रों के माध्यम से यहां की समृद्ध कला, संस्कृति और विरासत की जमकर ब्रांडिंग कर रहा है। इसका दर्शन दुनियाभर से पधारे श्रद्धालुओं को आनंद का अहसास कराने के साथ उज्जैन आने को आकर्षित कर रहा है। महाकाल की भस्म आरती, शिप्रा आरती, 84 महादेव, सम्राट विक्रमादित्य, राजा भोज, मलखंभ, वैदिक घड़ी, मटकी नृत्य सब कुछ यहां है।

प्रयागराज में मध्य प्रदेश मंडपम्- प्रतिदिन शाम सात बजे गंगा तट पर नर्मदा, शिप्रा सहित सभी पवित्र नदियों का गान हो रहा है। बता दें, प्रयागराज में बनाए गए। मध्य प्रदेश मंडपम में प्रतिदिन, प्रतिपल लोक कलाकार सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से मध्य प्रदेश का यशगान करते हैं। कुछ प्रस्तुतियां हो चुकी हैं। तैयार कैलेंडर के अनुसार उज्जैन की नृत्य गुरु प्रतिभा रघुवंशी 22 से 24 जनवरी के बीच मालवी-कथक शैली में शिप्रा आरती करेंगी।

मलखंभ का भी होगा प्रदर्शन- गौरव तिवारी 31 जनवरी से दो फरवरी के बीच राजकीय खेल मलखंभ का प्रदर्शन करेंगे। विनती जैन साथी कलाकारों के साथ तीन से पांच फरवरी के बीच मालवांचल का प्रसिद्ध मटकी नृत्य प्रस्तुत करेंगी। इसी अवधि में संजीव मालवीय के निर्देशन में भोजदेव नृत्य नाटक और कृष्णायन नृत्य नाटक का मंचन होगा।

भगवान शिव के 84 स्वरूपों के होंगे दर्शन- शिरीष राजपुरोहित के निर्देशन में 15 से 17 फरवरी के बीच महादेव और 18 से 20 फरवरी के बीच श्रीकृष्ण लीला नृत्य नाटिका का मंचन होगा। देवकरण मालवीय 24 से 26 फरवरी के बीच भक्ति गायन, चित्रांशी उखेल मटकी नृत्य की प्रस्तुति देंगी। भगवान शिव के 84 स्वरूपों पर केंद्रित महादेव नामक चित्र प्रदर्शनी 21 से 26 फरवरी के बीच लगेगी।

वर्ष 2027 में नासिक, फिर 2028 में उज्जैन में लगेगा महाकुंभ- प्रयागराज के बाद अगला महाकुंभ 2027 में गोदावरी नदी के तट पर बसे नासिक शहर में लगेगा। इसके बाद 2028 में शिप्रा नदी किनारे बसे उज्जैन में लगेगा। प्रदेश सरकारों ने इसकी तैयारी अभी से शुरू कर दी है। मध्य प्रदेश सरकार उज्जैन महाकुंभ के लिए 18 हजार करोड रुपये से अधिक राशि खर्च करने की तैयारी में है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संस्कृति सलाहकार श्रीराम तिवारी ने बताया कि उज्जैन सहित मप्र की विरासत, कला और संस्कृति के दर्शन कर श्रद्धालु आनंद की अनुभूति प्राप्त कर रहे हैं।

किसी का भला कर सको तो कर देना, चुकना मत-नागर जी

सुवासरा, 19 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। किशोरपुरा की पावन धरती पर गणेश मगरा स्थित गोपाल कृष्ण गौशाला पर कथा के तीसरे दिन कथा का रसपान करवाते हुए सरस्वती के वरद, पुत्र पंडित कमल किशोर नागर ने कहां की चाहे राजनेता हो या अधिकारी खाली आपके साइन से किसी गरीब के बच्चे का अगर भला हो तो कर देना चुकना मत, क्योंकि रिटायर्ड होने के बाद आपके साइन नहीं चलेंगे अवसर चला जाएगा। हमने प्रत्यक्ष देखा है कहीं गरीब बेचारे भटकते रहते हैं समय पर काम नहीं होता है बडा दुख होता है।

हमने फौजी भाई को कथा इसलिए दी देशभक्ति , में अपनी जान गंवाने के लिए फौजी भाई हर क्षण खडा रहता है हम फौजी भाई को प्रणाम करते हैं साधु

से भी ज्यादा हम फौजी भाई का सम्मान करते हैं इसीलिए हमने आश्रम में फौजी भाई का स्थान बनाया है फौजी भाई सबसे बडा संत है फौजी भाई जब सरहद पर सेवा करने निकलते हैं तो उनके दर्द को मां-बाप धर्मपत्नी ही जानती है क्योंकि छोटे-छोटे बच्चों को छोडकर जाते हैं वह वो क्षण कितना कठिन होता है? पंडित कमल किशोर जी नागर कथा कथा का रसपान करवाते हुए कहा कि मनुष्य जन्म ही श्रेष्ठ है इस योनि में ही मनुष्य को सभी चीजों का बोध होता है इसलिए अपना अंतिम मत बिगाडो भगवान के प्रति अटूट श्रद्धा रखो। तीसरे दिन अपार, जन समूह कथा श्रवण करने के लिए पहुंचा पंडाल छोटा पड गया।

टोल प्लाजा पर चलाया यातायात जागरूकता अभियान

पिपलियामंडी, 19 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। सडक सुरक्षा माह 2025 परवाह थीम अन्तर्गत सडक दुर्घटनाओं में मृत्यु दर में 10 प्रतिशत तक कमी लाने के उद्देश्य से बही टोल प्लाजा पर यातायात जागरुकता अभियान चलाया। इस दौरान पेम्पलेट्स वितरण, ट्रेक्टर-ट्राली व भारी वाहनों पर रिफ्लेक्टर रेडियम लागने का कार्य किया। वाहन चालकों को यातायात नियमों की जानकारी दी व दुपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनकर वाहन चलाने की समझाइश दी। वहीं यातायात नियमों का पालन करने वाले वाहन चालकों को हेलमेट पहने दुपहिया वाहन चालकों को गुलाब के फूल भेंट किए। इस अवसर पर सुनील शर्मा, गणेश विखे, विलास नलवाडे, राकेश दुबे, कृष्णा, दीपेश चौरडिया, कृपालसिंह, राकेश प्रजापति सहित जेटीसीएल स्टाफ उपस्थित रहे।

विशाल नि:शुल्क चिकित्सा जांच शिविर कल

मंदसौर, 19 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। स्वर्गीय श्रीमती ललीता देवी एवम स्वर्गीय श्री सत्यनारायण जी गर्ग (केडिया)की स्मृति मे नन्द सेवा संकल्प समिति औरश्रीराम मानव सेवार्थ संस्था रामटेकरी मन्दसौर के संयुक्त तत्वावधान मे दिनांक 21जनवरी मंगलवार को प्रात: 9 बजे से 2 बजे तक कुमावत धर्मशाला रामटेकरी मन्दसौर पर जीसीएस हॉस्पिटल अहमदाबाद के ख्यातनाम चिकित्सको द्वारा विशाल नि: शुल्क चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन रखा गया है। जिसमे स्त्री रोग विषेषज्ञ (गायनिक) हड्डी एवम नस रोग विषेषज्ञ (आर्थो स्पाइन). मूत्र रोग विषेषज्ञ (यूरो सर्जन) हार्ड रोग विषेषज्ञ (जनरल फिजिशियन). ऑपरेशन विषेषज्ञ (जनरल सर्जन) अपनी सेवाए देंगे उक्त जानकारी संस्था अध्यक्ष दयाराम चौहान ने दी अधिक से अधिक संख्या में पधारकर शिविर को सफल बनाए।

उत्तराखंड में 26 से लागू होगा यूनिफॉर्म सिविल कोड, बनेगा देश का पहला राज्य

देहरादून, 19 जनवरी। उत्तराखंड सरकार 26 जनवरी से राज्य में समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए पूरी तरह तैयार है। ऐसा करने वाला उत्तराखंड देश का पहला राज्य होगा। बता दें कि इससे पहले, नियम और कार्यान्वयन समिति की सलाह के बाद सरकार ने कुछ बदलावों को समीक्षा के लिए विधायी विभाग को भेजा था। समीक्षा किए गए नियमों को विभाग द्वारा अप्रूव किया गया है। समीक्षा किए गए नियमों को कल धामी कैबिनेट द्वारा पारित किए जाने की संभावना है। वहीं, इस कानून को लेकर कर्मचारियों के लिए ब्लॉक-स्तरीय प्रशिक्षण सत्र चलाया जा रहा है, जिसके 22 जनवरी तक पूरा होने की उम्मीद है।

बता दें कि उत्तराखंड के मुख्यमंत्री धामी ने कहा था कि जनवरी से उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता लागू हो जाएगी। सीएम धामी ने कहा कि राज्य सरकार ने अपना होमवर्क पूरा कर लिया है और जनवरी 2025 से पूरे राज्य में समान नागरिक संहिता लागू हो जाएगी।

क्या होता है यूनिफॉर्म सिविल कोड?- यूनिफॉर्म सिविल कोड का मतलब है कि देश में रहने वाले सभी नागरिकों (हर धर्म, जाति, लिंग के लोग) के लिए एक ही कानून होना। अगर किसी राज्य में सिविल कोड लागू होता है तो विवाह, तलाक, बच्चा गोद लेना और संपत्ति के बंटवारे जैसे तमाम विषयों में हर नागरिकों के लिए एक से कानून होगा। संविधान के चौथे भाग में राज्य के नीति निदेशक तत्व का विस्तृत ब्यौरा है जिसके अनुच्छेद 44 में कहा गया है कि सभी नागरिकों के लिए समान नागरिक संहिता लागू करना सरकार का दायित्व है।

मप्र और छत्तीसगढ़ राज्य में प्रमाण पत्र परीक्षा सम्पन्न

मंदसौर, 19 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। 5 मध्य प्रदेश बटालियन एनसीसी मंदसौर के 4 परीक्षा केंद्रों पर ए प्रमाण पत्र परीक्षा हुई संपन्न मल्हारगढ, गरोठ, क्यामपुर, और नीमच में परीक्षा ली गई मल्हारगढ परीक्षा केंद्र पर 87 छात्र छात्राएं परीक्षा में शामिल हुए जहां पर कमान अधिकारी कर्नल ज्योति प्रकाश द्वारा निरीक्षण किया गया। परीक्षा में एनसीसी एवं भारतीय सेना से संबंधित प्रश्न पत्र 350 नंबर की लिखित परीक्षा आयोजित की गई एवं 150 नंबर की प्रायोगिक परीक्षा आयोजित की गई। जिसमें ड्रिल, मैप रीडिंग, फील्ड क्राफ्ट, बैटल क्राफ्ट और हथियार प्रशिक्षण का प्रायोगिक परीक्षा लिया गया यह परीक्षा बटालियन सीनियर जेसीओ सूबेदार

सुखबीर साहब, नायब सूबेदार जयराम बडक, बीएचएम रामदास, हवलदार सागर, हवलदार विष्णु, हवलदार विकास मोरे, हवलदार योगीराज, आर्मी स्टाफ द्वारा सभी अलग-अलग केदो पर परीक्षा ली गई। सीएम राइस स्कूल मल्हारगढ परीक्षा केंद्र पर चीफ ऑफिसर वीरेंद्र कुमार तिवारी, सेकंड ऑफिसर टूप कमांडर जितेंद्र कनौजिया, सेकंड ऑफिसर धीरज शुक्ला, सेकंड ऑफिसर विक्रम शर्मा, सेकंड ऑफिसर विक्रम पटेल, थर्ड ऑफिसर कुलदीप सिंह चंद्रावत, थर्ड ऑफिसर विक्रम सिंह, समस्त केंद्र पर एनसीसी अधिकारी की उपस्थिति में परीक्षा संपन्न हुई।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in